■ श्रावण शुक्ल - 8 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 10 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 01-08-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 कांग्रेस की 'हिंदू आतंकवाद' की साजिश ध्वस्त, सोनिया गांधी और राहुल गांधी माफी मांगें

6 समृद्धि की चिड़िया या शक्ति का शेर : देश की दिशा कौन तय करेगा?

7 गुलामी के युग में भी भक्ति और शक्ति से तुलसीदास ने जाग्रत रखी जनचेतना : योगी

मालेगांव विस्फोट मामले में सभी आरोपी बरी

प्रज्ञा ठाकुर और कर्नल पुरोहित ने दिया अदालत को धन्यवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित ने 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में उन्हें बरी करने के विशेष अदालत के आदेश की बृहस्पतिवार को सराहना की। इस विस्फोट में छह लोगों की मौत हो गई थी और 101 अन्य घायल हो गए थे।

पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकु ने कहा कि बरी होना सिर्फ़ उनकी ही नहीं, बल्कि 'भगवा की जीत है। उन्होंने यह भी कहा कि उनके जीवन के 17 साल बर्बाद गए और भगवान उन लोगों को सज़ा देंगे जिन्होंने 'भगवा' का अपमान करने की कोशिश की।

फैसले के बाद ठाकुर, पुरोहित और अन्य पांच आरोपियों ने विशेष एनआईए न्यायाधीश ए के लाहोटी और अपने वकीलों को धन्यवाद दिया।

ठाकुर ने अदालत को बताया कि 2008 में इस मामले में गिरफ्तारी के बाद से उनका जीवन बर्बाद हो गया था और वह केवल इसलिए जीवित रह पाईं क्योंकि वह एक सन्यासी थीं। उन्होंने कहा, यह केस सिर्फ मैंने नहीं लड़ा, बल्कि भगवा ने लड़ा। मेरा पूरा जीवन कलंकित कर दिया गया था। ठाकुर ने अदालत से कहा, आज भगवा की विजय हुई है, न्याय की जीत हुई है। जिसने भी भगवान को बदनाम किया है, भगवान उसे सजा देगा।

पुरोहित ने कहा कि उन्हें इस मामले में फंसाया गया है और उन्होंने कहा कि वह पहले की तरह और उसी जोश के साथ देश की सेवा करते रहेंगे। उन्होंने कहा, कोई भी जांच एजेंसी गलत नहीं है; इन एजेंसियों में काम करने वाले लोग ही गलत हैं। यह देश महान है। हमें ध्यान रखना चाहिए कि गलत लोग ऊंचे पदों पर न पहुंचें और हमारे जैसे लोगों को कष्ट न पहुंचाएं।

पुरोहित ने कहा कि वह संगठन और राष्ट्र की सेवा करना जारी रखेंगे। पुरोहित को मुकदमा लंबित रहने तक सेना में बहाल कर दिया गया था।

■ **अदालत ने कहा कि कोई भी धर्म हिंसा नहीं सिखाता है। उसने कहा कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, लेकिन अदालत सिर्फ धारणा के आधार पर दोषी नहीं ठहरा सकती।**

मुंबई से लगभग 200 किलोमीटर दूर मालेगांव शहर में 29 सितंबर 2008 को एक मस्जिद के पास एक मोटरसाइकिल में लगाए गए विस्फोटक उपकरण में विस्फोट होने से छह लोगों की मौत हो गई थी और 101 अन्य लोग घायल हो गए थे।

अदालत ने मालेगांव विस्फोट पर कहा

दोषसिद्धि के लिए कोई ठोस या विश्वसनीय सबूत नहीं

मुंबई/भाषा। मुंबई की एक विशेष अदालत ने 2008 के मालेगांव बम विस्फोट मामले में सात आरोपियों को बरी करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि महज संदेह वास्तविक साक्ष्य की जगह नहीं ले सकता और दोषसिद्धि के लिए कोई ठोस या विश्वसनीय सबूत नहीं है। अदालत ने कहा कि कोई भी धर्म हिंसा नहीं सिखाता। उसने कहा कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, और अदालत सिर्फ धारणा के आधार पर किसी को दोषी नहीं ठहरा सकती।

अदालत ने कहा कि इस बात को साबित करने के लिए भी कोई सबूत नहीं है कि लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित ने अपने घर में विस्फोटक पदार्थ का भंडारण किया या उन्होंने बम तैयार किया था। न्यायाधीश ने यह भी माना कि गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधान इस मामले पर लागू नहीं होते, क्योंकि इसके लिए मंजूरी देने से पहले विवेक का इस्तेमाल नहीं किया गया। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के मामलों की सुनवाई के लिए नियुक्त विशेष न्यायाधीश ए के लाहोटी ने अभियोजन पक्ष के मामले और जांच में कई खामियों को उजागर किया और कहा कि आरोपी व्यक्ति संदेह का लाभ पाने के हकदार हैं। न्यायाधीश ने फैसला पढ़ते हुए कहा कि मामले को संदेह से परे साबित करने के लिए कोई ''विश्वसनीय और ठोस'' सबूत नहीं है।

मुंबई से लगभग 200 किलोमीटर दूर मालेगांव शहर में 29 सितंबर 2008 को एक मस्जिद के पास मोटरसाइकिल में लगाए गए विस्फोट उपकरण में विस्फोट होने से छह लोगों की मौत हो गई थी और 100 से अधिक लोग घायल हो गए थे।

न्याय नहीं हुआ, ऊंची अदालतों का रुख करेंगे : पीड़ित परिजन

मुंबई, 31 जुलाई (भाषा) मालेगांव विस्फोट में मारी गई 10 वर्षीय फरहीन के पिता ने मामले में निचली अदालत के फैसले को ''गलत और अस्वीकार्य'' बताते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि जरूरत पड़ने पर वह न्याय पाने के लिए उच्चतम न्यायालय तक का रुख करेंगे। वहीं, मामले में कुछ पीड़ित परिवारों का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील शाहिद नदीम ने कहा कि उनके मुवक्किल इस फैसले के खिलाफ स्वतंत्र अपील दायर करेंगे। नदीम ने राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) पर आरोप लगाया कि उसने मुकदमे के दौरान अपने बयान से पलट जाने वाले गवाहों पर झूठी गवाही देने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की। फैसले के बाद फरहीन के पिता लियाकत शेख (67) ने पत्रकारों से बातचीत में विस्फोट वाले दिन के घटनाक्रम को याद किया। शेख ने कहा, ''अदालत का फैसला गलत है। हम न्याय के लिए उच्चतम न्यायालय तक का दरवाजा खटखटाएंगे।''

फर्स्ट टेक

नौसेना ने पी17ए के तहत पहले युद्धपोत हिमगिरि को प्राप्त किया

कोलकाता/भाषा। रक्षा क्षेत्र के पीएसयू (सार्वजनिक उपक्रम) 'गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) लिमिटेड' ने बृहस्पतिवार को आधुनिक युद्धपोत हिमगिरि को भारतीय नौसेना को सौंप दिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। जीआरएसई अधिकारी ने कहा कि यह भारतीय नौसेना के प्रोजेक्ट 17ए के तहत जीआरएसई द्वारा बनाए जा रहे तीन ऐसे युद्धपोतों में से पहला है। पूर्वी नौसेनिक कमान के मुख्य स्टॉफ अधिकारी (तकनीकी) रीयर एडमिरल रवनीश सेठ ने यहां नौसेना की ओर से युद्धपोत को प्राप्त किया।

कल 'पीएम किसान सम्मान निधि' की 20वीं किस्त जारी करेंगे मोदी

वाराणसी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो अगस्त को उत्तर प्रदेश के वाराणसी दौरे के दौरान 'पीएम किसान सम्मान निधि' की 20वीं किस्त जारी करेंगे। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान में बताया गया कि देश के 9.70 करोड़ पात्र किसानों के खाते में 20,500 करोड़ से अधिक की धनराशि भेजी जाएगी। बयान के मुताबिक, इस योजना से उत्तर प्रदेश के 2.30 करोड़ किसान लाभान्वित होंगे और उनके खाते में 4600 करोड़ रुपए की धनराशि भेजी जाएगी। प्रधानमंत्री मोदी दो अगस्त को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी का दौरा करेंगे।

मसूरी आने वाले पर्यटकों के लिए पंजीकरण अनिवार्य

देहरादून/भाषा। मसूरी आने वाले पर्यटकों को अब शहर के होटल, अतिथि गृह आदि में 'चेक-इन' करते समय उत्तराखंड पर्यटन विभाग की ओर से विकसित पोर्टल पर अपना विवरण दर्ज कराना होगा। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। देहरादून के जिला पर्यटन अधिकारी बृजेंद्र पांडेय ने बताया कि यह नया नियम बुधवार से लागू हो गया। उन्होंने कहा, पहले होटलों, अतिथि गृहों, होम स्टे और ऐसी अन्य सुविधाओं को पोर्टल पर अपना पंजीकरण करना होगा। इसके बाद उन्हें अपने अतिथियों के 'चेक-इन' करते समय उनका विवरण पोर्टल पर दर्ज करना होगा। पांडेय के मुताबिक, ऐसा लोकप्रिय पर्यटक स्थल पर अत्यधिक भीड़भाड़ से निपटने और यातायात का प्रबंधन करने के लिहाज से किया गया है। उन्होंने कहा कि 2022 और 2024 के बीच शहर में पर्यटकों की आमद लगभग दोगुनी होने के कारण नया नियम लागू करना पड़ा है। पांडेय के अनुसार, इस कदम से मसूरी शहर में पर्यटकों की संख्या का वास्तविक आंकड़ा उपलब्ध हो सकेगा।

01-08-2025	02-08-2025
सूर्यास्त 6:46 बजे	सूर्योदय 6:05 बजे

BSE	NSE
81,185.58	24,768.35
(-296.28)	(-86.70)

सोना	चांदी
10,345 रु.	116,251 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

फुल आजादी

दल वालों को दूजे दल में,
आने-जाने की आजादी।
भ्रष्टों के मुंह में खून लगा,
उनको खाने की आजादी।
नेताओं को बस येनकेन,
सत्ता पाने की आजादी।
हो भले बेसुरी राग मगर,
सबको गाने की आजादी।।

भारत, रूस अपनी 'मृत अर्थव्यवस्थाओं' को एक साथ गर्त में ले जा सकते हैं : ट्रंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत और रूस के करीबी संबंधों को लेकर उन पर तीखा प्रहार किया और कहा कि दोनों देश अपनी ''मृत अर्थव्यवस्थाओं को एक साथ गर्त में'' ले जा सकते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने नई दिल्ली और मॉस्को की आलोचना करते हुए यह टिप्पणी तब की है जब कुछ घंटों पहले उन्होंने भारत के खिलाफ 25 प्रतिशत शुल्क लगाने और रूस के साथ उसके व्यापार के लिए ''जुर्माना'' लगाने की घोषणा की। उन्होंने कहा, मुझे परवाह नहीं है कि भारत, रूस के साथ क्या करता है। वे एक साथ अपनी मृत अर्थव्यवस्थाओं को गर्त में ले जा सकते हैं, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, हमने भारत के साथ बहुत कम व्यापार किया है, उनके शुल्क बहुत अधिक हैं। ट्रंप ने भारत की व्यापार नीतियों को 'सबसे कठिन और अप्रिय' बताया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, सब कुछ ठीक नहीं है! इसलिए भारत को एक अगस्त से 25 प्रतिशत शुल्क और रूस से खरीद को लेकर 'जुर्माना' भी देना होगा। उन्होंने कहा कि हालांकि, भारत हमारा मित्र है, लेकिन हमने पिछले कई वर्षों में उनके साथ अपेक्षाकृत कम व्यापार किया है, क्योंकि उनके शुल्क बहुत अधिक हैं, जो दुनिया में 'सबसे अधिक' हैं। उनके पास सबसे कठोर और अप्रिय गैर-मौद्रिक व्यापार बाधाएं हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, भारत ने रूस से अपने सैन्य उपकरण और ऊर्जा उत्पाद तब खरीदे हैं जब हर कोई चाहता है कि रूस, यूक्रेन में ''हत्याएं'' बंद करे।

'बर्बाद अर्थव्यवस्था' पर ट्रंप का बयान सही, प्रधानमंत्री ने अर्थव्यवस्था खत्म की : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान को सही ठहराते हुए बृहस्पतिवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के सिवाय सब जानते हैं कि भारत एक 'डेड इकोनॉमी' (बर्बाद अर्थव्यवस्था) है तथा प्रधानमंत्री ने अर्थव्यवस्था को खत्म कर दिया है। उन्होंने यह दावा भी किया कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौता डोनाल्ड ट्रंप की शर्तों पर होगा और प्रधानमंत्री मोदी वही करेंगे, जो अमेरिकी राष्ट्रपति कहेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर राहुल गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, वह सही हैं। प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री के सिवाय हर कोई जानता है कि भारत की अर्थव्यवस्था 'बर्बाद अर्थव्यवस्था' है। मुझे खुशी है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने तथ्य सामने रखा है। उन्होंने कहा, क्या आपको मालूम नहीं है कि भारत की अर्थव्यवस्था एक बर्बाद अर्थव्यवस्था है। भाजपा ने अर्थव्यवस्था को खत्म कर दिया है। आप लोग (मीडियाकर्मी) हैरान क्यों लग रहे हैं?''

गैर पारंपरिक गिरजाघर कर रहे धर्मांतरण : केंद्रीय मंत्री कुरियन

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केंद्रीय राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि देश में पारंपरिक गिरजाघर कोई धर्मांतरण नहीं कर रहे, बल्कि ''गैर पारंपरिक गिरजाघर'' ऐसा कर रहे हैं। अल्पसंख्यक मामलों और मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री कुरियन छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण और मानव तस्करी के आरोप में दो नन की गिरफ्तारी के संबंध में पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे। मंत्री ने कहा कि लोगों के लिए पारंपरिक और गैर पारंपरिक गिरजाघरों के बीच अंतर करना मुश्किल है, इसलिए भाजपा जनता के बीच इन दोनों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि गैर पारंपरिक गिरजाघरों ने खुद स्वीकार किया है कि वे धर्मांतरण कर रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या धर्मांतरण गलत है, कुरियन ने कहा कि ''केरल के लोगों को यह तय करने दीजिए कि धर्मांतरण की जरूरत है या नहीं।

गगनयान मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम की दिशा में भारत का पहला कदम होगा : डॉ. जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' को देश के सतत मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम की दिशा में पहला महत्वपूर्ण कदम बताते हुए सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि इस कार्यक्रम के तहत आवश्यक क्षमताओं के सफल परीक्षण के बाद भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की स्थापना की जाएगी।

प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह भी बताया कि प्रस्तावित भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन से फार्मास्युटिकल्स, जैव प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य और कृषि जैसे क्षेत्रों में नवाचार एवं उन्नत तकनीकों के विकास को बल मिलेगा और भारत को भविष्य में अन्य अंतरिक्ष एजेंसियों के साथ 'सहयोगी भागीदार' के रूप में कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा।

उन्होंने बताया कि गगनयान कार्यक्रम के अंतर्गत अब तक कई प्रमुख उपलब्धियां हासिल की गई हैं जिनमें 'ह्यूमन रेटेड लॉन्च व्हीकल' (एचएल-वीएम3) का विकास और जमीनी परीक्षण पूरा होना, सर्विस मॉड्यूल' के प्रणोदन तंत्र विकास व परीक्षण होना और पर्यावरण नियंत्रण एवं जीवन रक्षक प्रणाली (ईसीएलएसएस) का इंजीनियरिंग मॉडल तैयार होना शामिल है।

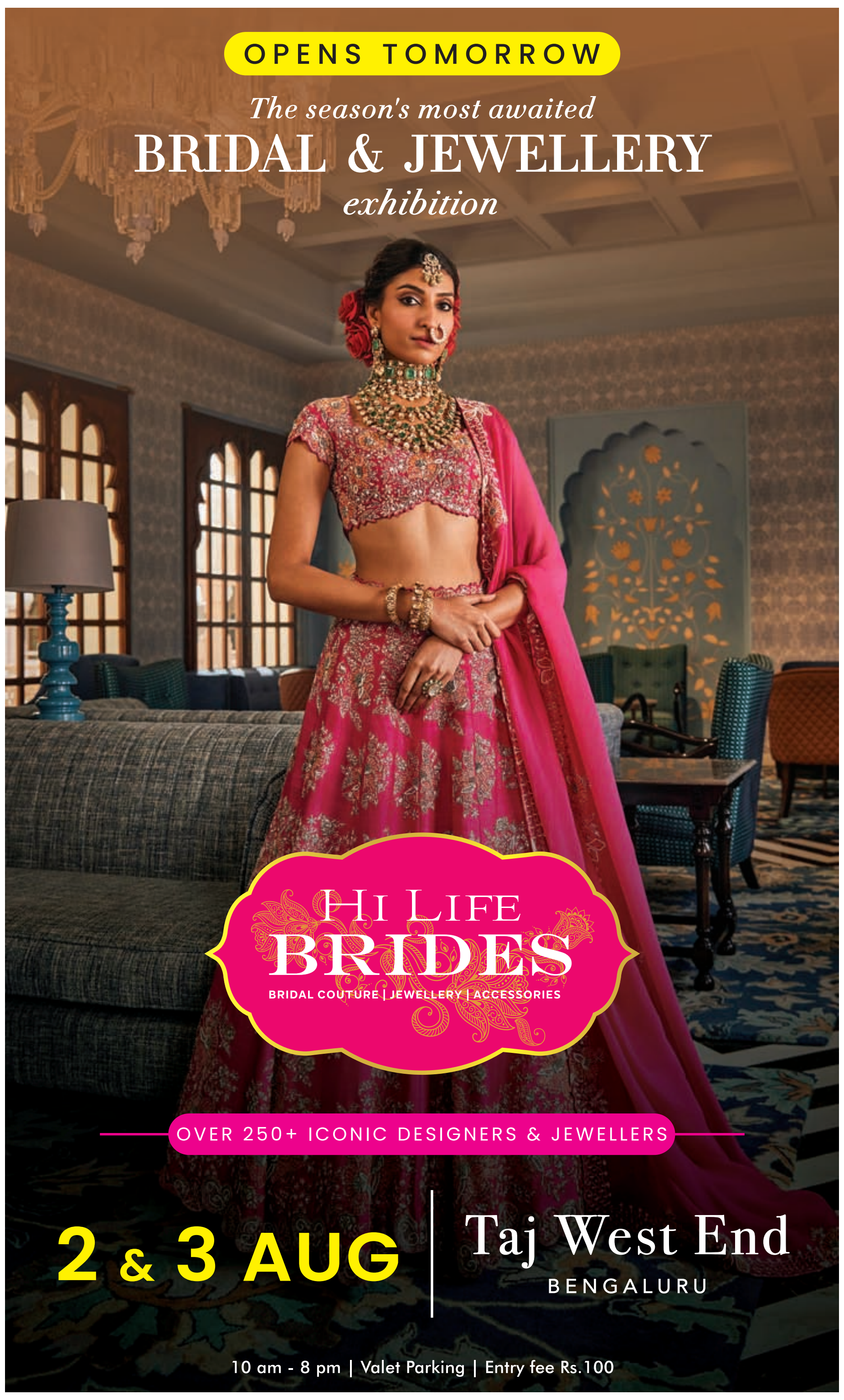

चिकित्सक मरीजों के प्रति संवेदनशील रहें क्योंकि वे आपको ईश्वर के रूप में देखते हैं : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देवघर/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को चिकित्सा जगत से आग्रह किया कि वे उपचार और निदान में तो पेशेवर रवैया अपनाएं, लेकिन व्यवहार में नहीं। व्यवहार के मामले में उन्होंने चिकित्सकों से लोगों के प्रति संवेदनशील होने का भी आग्रह किया, क्योंकि वे डॉक्टर को ईश्वर मानते हैं।

मुर्मू ने यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), देवघर के प्रथम दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं।

राष्ट्रपति ने कहा, निदान और शल्य चिकित्सा में पेशेवर रवैया अपनाएं, लेकिन व्यवहार में नहीं। लोगों के प्रति संवेदनशील रहें क्योंकि वे आपको भगवान मानते हैं। नैतिक मूल्यों, करुणा और परोपकार का पालन करके डॉक्टर लोगों के जीवन से अंधकार दूर कर सकते हैं। उन्होंने कहा, आदिवासियों के स्वास्थ्य के लिए सक्षमता केंद्र के रूप में, एम्स देवघर को मौजूदा पांच गांवों के अलावा और अधिक गांवों को गोद लेना चाहिए तथा खुद को एक आदर्श के रूप में पेश करने का प्रयास करना चाहिए।

मुर्मू ने कहा कि इन परिस्थितियों में चिकित्सकों को समाज की सेवा के लिए हाथ बढ़ाना चाहिए। उन्होंने ड्रोन के माध्यम से दूर-दराज के आदिवासी क्षेत्रों में विष-रोधी दवाएं भेजने के लिए एम्स, देवघर की सराहना की। उन्होंने कहा कि यद्यपि एम्स, देवघर मुख्य रूप से तृतीयक स्वास्थ्य सेवा पर केंद्रित है, फिर भी उसे प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में भी सक्रिय रूप से मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करनी चाहिए।

बेंगलूरु में छाएगा 'हाई लाइफ' ब्राइड्स का जलवा

कल से ब्राइडल शोकेस की दिखेगी चमक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। हाई लाइफ ब्राइड्स लग्जरी और परंपरा का अनूठा संगम लेकर आ रही है। बेंगलूरु के ताज वेस्ट एंड में 2 और 3 अगस्त को ड्रीम ब्राइडल शोकेस आपका इंतजार कर रहा है। आयोजकों ने बताया कि हाई लाइफ ब्राइड्स सुंदरता की ऐसी दुनिया लेकर आ रही है, जहां मशहूर डिजाइनरों द्वारा तैयार किए गए ब्राइडल वस्त्र, टाइमलेस ज्वैलरी, जश्न के परिधान और खासतौर से तैयार किए गए प्रॉडक्ट उपलब्ध होंगे।

उन्होंने कहा कि चाहे शादी का कार्यक्रम हो या आफ्टर-पार्टी, यहां आपको अपने खास दिन को यादगार बनाने के लिए सबकुछ मिलेगा। यहां मशहूर डिजाइनरों से मिलने के साथ ही क्रिएटिविटी और सांस्कृतिक समृद्धि से जुड़े कलेक्शन से रू-ब-रू होने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि यहां ब्राइडल वस्त्र सुंदरता की अनूठी कहानी पेश करेंगे।

वहीं, ज्वैलरी इसमें चार चांद लगाएगी और स्टाइल को नए आयाम देगी। ब्राइडल जर्नी यहां से शुरू होती है!

ज्ञान से होता है आत्म कल्याण : संतश्री वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर गुजराती जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी की निश्रा में मुनि डॉ वरुणमुनिजी ने कहा कि ज्ञान आत्मा का दर्पण है। बिना ज्ञान के जीवन पशु के समान है। पांच इन्द्रिय तथा मन से जो ज्ञान उत्पन्न होता है वह मतिज्ञान है तथा पढ़ने और सुनने से जो ज्ञान होता है वह श्रुत ज्ञान कहलाता है। लौकिक ज्ञान के साथ साधक को आध्यात्मिक ज्ञान भी प्राप्त करना चाहिए। आत्म ज्ञान ही ईश्वर ज्ञान है। मुनि आत्म शोधक होता है। वह वीतराग धर्म का पथिक है। व्यक्ति को अपने जीवन में आध्यात्मिक शांति और जीवन निर्माण के साथ सच्चे सुख का रहस्य जानने के लिए आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त करना परम आवश्यक है। आत्म विकास और आत्महित की साधना के लिए गुरु का अवलंबन, शरण ग्रहण करना चाहिए। बिना गुरु शरण स्वीकार किए सच्चे आत्म बोध की शिक्षा नहीं प्राप्त हो सकती है।

उन्होंने कहा कि अध्यात्म ज्ञान या उससे विकास के लिए जीवन में कुशल मार्गदर्शक एवं प्रतिबोध की आवश्यकता होती है। साधना पथ पर आगे बढ़ने के लिए एवं जीवन में सही दिशा में आगे कदम बढ़ाने के लिए कुशल मार्गदर्शक या गुरु न हो तो साधक विपरीत पथ पर या सुविधावादी मार्ग पर भी चल सकता है।

मुनिश्री ने धर्म सभा में कार्मिकी बुद्धि और पारिणामिकी बुद्धि पर भी सारगर्भित विवेचना प्रस्तुत की। प्रारंभ में संतश्री रूपेश मुनि जी ने भजन के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किए। उपप्रवर्तक श्री पंकज मुनि जी ने मंगल पाठ प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन राजेश मेहता ने किया।

तप अशुभ कर्मों को क्षय करता है : मुनिश्री पुलकित कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ भवन में मुनि डॉ पुलकित कुमारजी व आदित्य कुमारजी के सान्निध्य में चातुर्मासिक तपोत्सव के अंतर्गत रेखा खांटेड़ तथा नीतू भंसाली के मासखमण तप करने पर तप अभिनंदन समारोह का आयोजन तेरापंथ सभा द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुनिश्री ने तपस्या की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि तप अशुभ कर्मों को क्षय करता है। तपस्या करने वाले की लालसाएं मिट जाती हैं, शरीर के प्रति आसक्ति और मोह कम हो जाता है। तप को समाधि का उत्तम साधन कहा गया है। तपस्या करने वालों का आभामंडल तेजस्वी बनता है, मानव ही नहीं देवता भी आकर्षित होते हैं। मुनि आदित्य कुमारजी ने गीत प्रस्तुत किया। इस मौके पर सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली एवं अन्य पदाधिकारियों ने तपस्वियों का सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन सभा के मंत्री विनोद छाजेड़ ने किया ।

दुख से बचने का सबसे सरल मार्ग प्रभु शरण है : संतश्री ज्ञानमुनिजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने गुरुवार को अपने प्रवचन में प्रभु महावीर की अंतिम देशना उत्तराध्ययन सूत्र के माध्यम से कहा कि आजकल तो कोई भी चीज टूटने पर सब कुछ सही हो सकता है लेकिन आयुष्य टूटा तो जुड़ेगा नहीं। जहां जीवन है वहां मरण है। जवानी है तो बुढ़ापा भी है। ज्ञानी कहते हैं कि बुढ़ापे में कोई शरण देने वाला नहीं है, इसलिए कहा जाता है कि दुनिया बहुत दुखदायी है, इसको जितना जल्दी हो सके छोड़ देना चाहिए।

प्रभु चरणों में जाने से दुख से बचा जा सकता है। इस संसार की पीड़ा से मुक्त होने के लिए प्रभु के चरणों पर चले जाना चाहिए। संतश्री ने कहा कि संसार का यही नियम है। इस दुनिया में आपका अपना कोई नहीं है। इसलिए संसार के मोहमाया से दूर होकर प्रभु भक्ति में लग कर जीवन को सार्थक कर लेना चाहिए। यह जीवन बहुत अनमोल है। समय रहते इसको समझने वाले का जीवन सफल हो जाता है। गुरुदेव ने कहा कि बचपन और पचपन एक समान होता है। जैसा चाहो वैसा मिलता नहीं है। अगर बुढ़ापा अच्छा करना है तो सांसारिक मोह माया से दूर होकर प्रभु के चरणों में शरण ले लो। इस दुनिया में अगर किसी के साथ दगा करोगे तो वापस दगा ही मिलेगा। मां बाप के आशीर्वाद कभी विफल नहीं होते हैं। जो काम दवा से नहीं होती वह दुआ से हो जाती है। लोगों की सेवा करें और दुआ लेते रहें। संयोजक नेमीचंद लुकड़ ने सभी का स्वागत किया एवं महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन किया।

चित्रकोट-कन्नड़-छत्तीसगढ़ी संगम के तहत कावेरी, महानदी और तुंगभद्रा नदी के जल का संगम होगा इंद्रावती में

छत्तीसगढ़ के चित्रकोट में 10 अगस्त को होगा आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जगदलपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काशी तमिल संगम से प्रेरित होकर और भारत की भाषाई समरसता और भावात्मक एकता को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में छत्तीसगढ़ के बस्तर में कन्नड़-छत्तीसगढ़ी संगम मनाने की तैयारी की जा रही है। चित्रकोट में 10 अगस्त को जलप्रपात के पास आयोजन समिति के सदस्य व अतिथि प्रवाहित इंद्रावती नदी में आपसी संगम के द्योतक के रूप में कावेरी, महानदी और तुंगभद्रा नदी के पवित्र जल को इन्द्रावती नदी में मिलाकर इस अनोखे व प्रेरणादायक कार्यक्रम की शुरूआत करेंगे। इसके बाद एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन जगदलपुर के संभागीय मुख्यालय में किया जाएगा। एक पत्रकार वार्ता में यह यह जानकारी आयोजन समिति के संयोजक, वरिष्ठ पत्रकार आकाश वर्मा ने दी। वर्मा ने बताया कि यह आयोजन छत्तीसगढ़ और कर्नाटक के नागरिकों द्वारा राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक समरसता के लिए किया जा रहा है जिसकी शुरुआत प्रतीकात्मक जल-संगम से होगी, जो कि भारतवर्ष के सभी प्रदेशों, नदियों व नागरिकों की एकता का जीवंत उदाहरण है।

कार्यक्रम में दिखेगी कर्नाटक व छत्तीसगढ़ की संस्कृति की झलक

वर्मा ने कहा कि देश भर में गत कई दशकों से बस्तर की पहचान केवल नक्सली और नकारात्मक गतिविधियों के लिए होती है जिसको बदलने के प्रयास में यह आयोजन किया जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों से प्रदेशवाद व भाषावाद की भावना लगातार बढ़ रही है जिससे हमें एकजुट होकर निपटना होगा। वर्मा ने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रम उसी प्रयास की ओर उठाया हुआ एक कदम है जिससे बस्तर को एक अलग पहचान मिलेगी।

इस आपसी समरसता के कार्यक्रम में एक तरफ जहां कर्नाटक के सिरसी की निर्मला हेगड़े की यक्षगान मंडली दक्षिण भारतीय परंपरा की प्रस्तुति देगी, वहीं दूसरी तरफ पंडवानी गायिका ऋतु वर्मा अपने लोकगीतों की प्रस्तुति देंगी। इसके अलावा अभिनेत्री ऋतिका यादव भी अपनी सांस्कृतिक कला पेश करेंगी। प्रेस वार्ता में आकाश वर्मा के साथ सीमा महरोत्रा वर्मा और निरंजन कुमार भी उपस्थित थे।

विचार संगोष्ठी में दोनों राज्य के प्रमुख विचारक लेंगे भाग

आकाश वर्मा ने बताया कि इस दो दिवसीय कार्यक्रम में बादल एकेडमी से जुडे नर्तकों का दल रंगारंग नृत्य की प्रस्तुति देगा। कार्यक्रम में आईआईएम रायपुर के निदेशक डॉ राम कुमार काकानी राष्ट्रीय एकता के सूत्र सुझाएंगे। इसके साथ ही कर्नाटक के एआई विशेषज्ञ प्रो उदय रघुनाथ बिर्जे एआई तकनीक के बारे में जानकारी देंगे। मीडिया के सकारात्मक दृष्टिकोण पर मीडिया से जुड़े सुमित अवस्थी चर्चा करेंगे। इसके अलावा विजयनगर साम्राज्य के 20वी पीढ़ी व कला और संस्कृति के संयोजक कृष्णा देवराया, जयदीप कार्णिक, विंग कमांडर (सेवानिवृत्त) सुदर्शन, रवि कुमार अय्यर, विजयनगर साम्राज्य की अराविदु वंश परंपरा के 21 वीं पीढ़ी के वंशज व लेखक तिरुमला देवराय सहित लेखक गंगासागर पांडा, फिल्म लेखक और निर्देशक अनुपम वर्मा भी उपस्थित होंगे।

शुल्क बढ़ने के बावजूद भारतीय दूरसंचार उपकरण प्रतिस्पर्धी बने रहेंगे: सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय उत्पादों पर अमेरिका में अधिक शुल्क लगाने की घोषणा के बावजूद भारतीय दूरसंचार उपकरणों का निर्यात प्रतिस्पर्धी बना रहेगा।

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत अब तक करीब 85,000 करोड़ रुपए के दूरसंचार उपकरणों का निर्माण हुआ है, जिनमें से 16,000 करोड़ रुपए के उपकरण विभिन्न देशों को निर्यात किए गए हैं। कारोबारी संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के

एक कार्यक्रम में शिरकत करने आए सिंधिया ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, हम प्रतिस्पर्धी बने रहेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से आने वाले सभी उत्पादों पर एक अगस्त से 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की है। इसके साथ ही रूस से सैन्य उपकरण एवं तेल खरीदने पर अलग से जुर्माना लगाने की बात भी कही है। सूत्रों के मुताबिक, भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग को बढ़े हुए शुल्क से फिलहाल लगभग दो सप्ताह की राहत मिली है क्योंकि अमेरिका में प्रौद्योगिकी उत्पादों से जुड़ा एक महत्वपूर्ण प्रावधान धारा 232 पुनर्विचार के लिए लंबित है। एक सरकारी सूत्र ने कहा, जब अमेरिका ने पहले 10 प्रतिशत का मूल शुल्क लगाया था, तब भी धारा 232 की समीक्षा लंबित होने के कारण प्रौद्योगिकी उत्पादों को छूट दी गई थी। अब भी यही स्थिति है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि दो सप्ताह बाद क्या होगा। यदि अमेरिकी सरकार को लगता है कि किसी खास तकनीक, चिप, दूरसंचार उपकरण का आयात उसकी सुरक्षा के लिए जोखिम है तो वह धारा 232 कानून के तहत अतिरिक्त शुल्क लगाने या रोक लगाने का कदम उठा सकती है।

गांवों में 76% से अधिक परिवारों की खपत बढ़ी: नाबार्ड सर्वेक्षण

नई दिल्ली/भाषा। देश के 76.6 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों ने खपत में वृद्धि की सूचना दी है जो उपभोग-आधारित वृद्धि की निरंतर गति को दर्शाता है। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने एक सर्वेक्षण रिपोर्ट में यह बात कही है।

'ग्रामीण आर्थिक स्थिति और धारणा सर्वेक्षण' (आरईसीएसएस) के जुलाई, 2025 चरण से संकेत मिलता है कि मुद्रास्फीति की चिंताएं कम हो गई हैं और 78.4 प्रतिशत से अधिक परिवारों की राय में वर्तमान मुद्रास्फीति पांच प्रतिशत या उससे कम है। यह बेहतर मूल्य स्थिरता को दर्शाता है।

अमेरिका शुल्क चावल निर्यात की राह में 'अस्थायी' बाधा : आईआरईएफ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। चावल निर्यातकों के एक संगठन ने बृहस्पतिवार को कहा कि एक अगस्त से लागू होने वाले 25 प्रतिशत का अमेरिकी शुल्क चावल निर्यात के लिए एक अस्थायी 'बाधा' है। संगठन का मानना है कि भारत के पास अब भी वियतनाम और पाकिस्तान जैसे प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले मूल्य लाभ बरकरार रखता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक अगस्त से भारत से आने वाले सभी सामान पर 25% का शुल्क लगाने की घोषणा की है। साथ ही रूसी कच्चे तेल और सैन्य उपकरण खरीदने पर जुर्माना लगाने का भी फैसला किया है। भारतीय चावल निर्यातक महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेम गर्ग ने कहा, यह शुल्क एक अस्थायी बाधा है, दीर्घकालिक बाधा नहीं। रणनीतिक योजना, विविधीकरण और टिकाऊपन के साथ, भारतीय चावल निर्यातक अमेरिकी बाजार में अपनी उपस्थिति को सुरक्षित रख सकते हैं और उसका विस्तार भी कर सकते हैं। अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा बासमती चावल बाजार नहीं है। आईआरईएफ के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 में, भारत ने कुल 52.4 लाख टन वैश्विक बासमती निर्यात में से लगभग 2.34 लाख टन बासमती चावल अमेरिका को निर्यात किया। पश्चिम एशिया, भारतीय बासमती चावल का प्रमुख बाजार बना हुआ है। गर्ग ने आगे कहा कि शुल्क लगाए जाने के बावजूद भारत मूल्य निर्धारण और गुणवत्ता के मामले में बढ़त बनाए है। गर्ग ने कहा, भारतीय चावल पर नया अमेरिकी शुल्क चीन (34%), वियतनाम (46%), पाकिस्तान (29%) और थाइलैंड (36%) जैसे प्रतिस्पर्धी देशों पर लगाए गए शुल्कों से कम है, जिससे भारतीय चावल अमेरिकी बाजार में अपेक्षाकृत अधिक प्रतिस्पर्धी बना हुआ है। भारतीय चावल निर्यातक संघ चावल उद्योग के 7,500 से अधिक अंशधारकों का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें निर्यातक, मिल मालिक, कृषक समुदाय, लॉजिस्टिक्स भागीदार और पैकेजिंग कंपनियां शामिल हैं।

अमेरिकी 'टैरिफ' के प्रभावों का आकलन कर रहे हैं, राष्ट्रीय हितों के लिए हर जरूरी कदम उठाएंगे : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को संसद में कहा कि अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए आयात शुल्क (टैरिफ) के प्रभावों का आकलन किया जा रहा है तथा राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित करने और आगे बढ़ाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

गोयल ने यह भी कहा कि मोदी सरकार किसानों, श्रमिकों, उद्यमियों, निर्यातकों, एमएसएमई तथा उद्योग जगत के सभी हितधारकों की रक्षा और संवर्धन को सर्वोच्च महत्व देती है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से आयातित वस्तुओं पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त आयात शुल्क और जुर्माना लगाने की बुधवार को घोषणा की। यह शुल्क एक अगस्त से प्रभावी हो जाएगा।

गोयल ने लोकसभा में दिए वक्तव्य में अमेरिका के साथ बातचीत के बारे में जानकारी दी और कहा कि दोनों पक्षों के बीच दिल्ली और वाशिंगटन में आमने-सामने की चार बैठकें हुईं तथा कई बार डिजिटल माध्यम से बातचीत हुई। उन्होंने कहा, मूल रूप से अतिरिक्त टैरिफ नौ अप्रैल से प्रभावी होने वाला था, लेकिन इसे 10 अप्रैल को पहले 90 दिनों तक स्थगित कर दिया गया और बाद में एक अगस्त तक बढ़ा दिया गया।

गोयल ने कहा कि भारत और अमेरिका ने मार्च 2025 में एक न्यायपूर्ण, संतुलित और पारस्परिक लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए बातचीत शुरू की थी, जिसका लक्ष्य अक्टूबर नवम्बर 2025 तक समझौते के पहले चरण को पूरा करना था। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने 29 मार्च 2025 को नई दिल्ली में आयोजित पहली बैठक की चर्चा के दौरान द्विपक्षीय बातचीत शुरू करने के लिए विस्तृत संदर्भ शर्तें (टीओआर) को अंतिम रूप दिया। उन्होंने कहा, इसके बाद दोनों पक्षों के बीच दिल्ली और वाशिंगटन डीसी में चार दौर की आमने सामने वाली बैठक हुई, ताकि निर्धारित टीओआर के अनुसार द्विपक्षीय व्यापार समझौते के अंतिम रूप के लिए काम किया जा सके। इसके अलावा दोनों पक्षों के बीच कई वर्चुअल बैठकें भी हुईं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार हालिया घटनाक्रम से होने वाले प्रभावों का परीक्षण कर रही है। उन्होंने कहा, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय निर्यातकों और उद्योग सहित सभी हितधारकों से संवाद कर इस विषय पर उनके आकलन की जानकारी ले रहा है।

हर समझौते पर अपनी 'छाप' चाहते हैं ट्रंप, व्यापार वार्ता अभी खत्म नहीं हुई: विशेषज्ञ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयार्क/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हर समझौते पर अपनी छाप छोड़ना चाहते हैं और इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को व्यापार समझौते के अंतिम मुद्दों पर सीधे उनसे बातचीत करनी पड़ सकती है।

एक पूर्व अमेरिकी व्यापार वार्ताकार ने यह बात कही है। विशेषज्ञों का कहना है द्विपक्षीय व्यापार वार्ता अभी खत्म नहीं हुई है। अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच के वरिष्ठ सलाहकार और पूर्व सहायक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि मार्क लिंस्कॉट ने सुझाव दिया है कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता में प्रगति हुई है क्योंकि ट्रंप प्रशासन के कई अधिकारी पिछले कुछ हफ्तों से समझौते के संकेत दे रहे हैं और इसमें राष्ट्रपति भी शामिल हैं। लेकिन राष्ट्रपति हर समझौते पर अपनी मुहर चाहते हैं। भारत के साथ ऐसा होने के लिए, मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री मोदी को राष्ट्रपति के साथ सीधे अंतिम मुद्दों पर बातचीत करने के लिए संपर्क करना होगा। इसमें ऊर्जा और सैन्य उपकरणों की खरीद और अमेरिका में निवेश पर कोई भी प्रमुख प्रतिबद्धता शामिल है। किसी भी कारण से, ऐसा नहीं हो सका। मुझे उम्मीद है कि दोनों पक्ष अगस्त में बातचीत फिर से शुरू कर सकते हैं। ट्रंप ने बुधवार को एक अगस्त से भारत से आने वाले सभी सामान पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने के साथ रूस से कच्चे तेल और सैन्य उपकरणों की खरीद पर जुर्माना भी लगाने की भी घोषणा की। यह घोषणा अचंभित करने वाली है। क्योंकि एक दिन पहले ही भारतीय अधिकारियों ने कहा था कि अमेरिकी व्यापार दल 25 अगस्त से व्यापार समझौते पर बातचीत के लिए भारत आएगा।

ट्रंप की शुल्क घोषणा को भारत पर अमेरिका की मांगें मनवाने के लिए दबाव बनाने की एक रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। अमेरिका ने हाल में जापान, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ जैसे प्रमुख साझेदारों के साथ अनुकूल व्यापार समझौते किए हैं।

निर्वाचन आयोग ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल को अंतिम रूप दिया

नई दिल्ली/भाषा। भारत निर्वाचन आयोग ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल को अंतिम रूप दे दिया है। यह चुनाव जगदीप धनखड़ के पद से इस्तीफा देने के कारण आवश्यक हो गया है। आयोग ने बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी दी। भारत के उपराष्ट्रपति का चुनाव एक निर्वाचक मंडल द्वारा किया जाता है, जिसमें राज्यसभा के निर्वाचित सदस्य, मनोनीत सदस्य और लोकसभा के निर्वाचित सदस्य शामिल होते हैं।

निर्वाचन आयोग ने एक बयान में कहा कि उसने 2025 के उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल की सूची को अंतिम रूप दे दिया है।

इसने कहा कि निर्वाचक मंडल की सूची अधिसूचना की तारीख से निर्वाचन आयोग कार्यालय में स्थापित एक काउंटर पर खरीदने के लिए उपलब्ध होगी, जिसकी घोषणा जल्द ही होने की संभावना है।

रोजगार मेला रिक्त पदों को जल्दी भरने में उत्प्रेरक का काम करता रहेगा: सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि रोजगार मेला विभिन्न सरकारी निकायों और संगठनों में रिक्त पदों को जल्दी भरने के लिए उत्प्रेरक का काम करता रहेगा। उन्होंने कहा कि रिक्त पदों को भरना एक सतत प्रक्रिया है।

सिंह ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में राज्यसभा में कहा, विभिन्न भर्तियों का विवरण, जिसमें राज्यवार और श्रेणीवार विवरण और नवसृजित पद शामिल हैं, संबंधित मंत्रालयों, विभागों और केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, संबद्ध कार्यालयों, अधीनस्थ कार्यालयों आदि द्वारा रखा जाता है।

सिंह ने कहा, रोजगार मेला विभिन्न सरकारी निकायों एवं संगठनों में रिक्त पदों को मिशन मोड में जल्दी भरने में उत्प्रेरक का काम करता रहेगा। इससे न केवल बेरोजगारी दूर होगी, बल्कि सरकारी संगठन नागरिकों को कुशल और प्रभावी सेवाएं प्रदान करने में भी सक्षम होंगे, जिससे देश में रोज़गार और स्वरोजगार सृजन में गुणात्मक वृद्धि होगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 22 अक्टूबर, 2022 को रोज़गार मेले की शुरुआत की थी। मंत्री ने कहा, केंद्रीय स्तर पर अब तक विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 16 रोज़गार मेले आयोजित किए गए हैं, जिनमें कई लाख नियुक्ति पत्र वितरित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि 16वां रोजगार मेला 17 जुलाई 2025 को देश भर के 47 स्थानों पर आयोजित किया गया, जहां विभिन्न मंत्रालयों, विभागों और संगठनों द्वारा 51,000 से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किए गए।

एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने गुरुवार को बेंगलूरु स्थित फ्रीडम पार्क का दौरा किया, जहाँ 5 अगस्त को लोकतंत्र बचाओ रैली होनी है। इस रैली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे के भी शामिल होने की उम्मीद है।

धर्मस्थल मामला : केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर जाने पर बदल सकते हैं एसआईटी प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बृहस्पतिवार को कहा कि धर्मस्थल में सामूहिक रूप से ''शवों को दफनाने'' के आरोपों की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) का नेतृत्व कर रहे वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी प्रणब मोहंती अगर प्रतिनियुक्ति पर केंद्र सरकार की ड्यूटी पर जाते हैं तो उनके स्थान पर किसी और की नियुक्ति की जाएगी। इस बीच, गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा कि सरकार ने मोहंती पर अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया है। ऐसी अटकलें हैं कि मोहंती के स्थान पर किसी और को एसआईटी प्रमुख नियुक्त किया जाएगा। पुलिस महानिदेशक (आंतरिक सुरक्षा प्रभाग) मोहंती का नाम केंद्र सरकार में काम करने वाले महानिदेशक पद के अधिकारियों की सूची में शामिल है।

जब संवाददाताओं ने सवाल किया कि क्या धर्मस्थल मामले में एसआईटी प्रमुख को बदल दिया जाएगा, तो सिद्दरामय्या ने कहा, ''देखते हैं। यदि वह (मोहंती) केंद्र सरकार की ड्यूटी पर जाते हैं (तो उनके स्थान पर किसी और को नियुक्त किया जाएगा)...।'' धर्मस्थल में पिछले दो दशकों में सामूहिक हत्याकांड, दुष्कर्म और शवों को दफनाने के आरोपों के बाद राज्य सरकार ने विशेष जांच दल गठित किया है।

धर्मस्थला में गुरुवार को एसआईटी टीम और सामूहिक दफन स्थल के छठे स्थान पर खुदाई कर रहे श्रमिकों को एक कंकाल मिला।

एक पूर्व सफाई कर्मी ने दावा किया है कि उसने 1995 और 2014 के बीच धर्मस्थल में काम किया था और उसे धर्मस्थल में महिलाओं और नाबालिगों समेत कई लोगों के शवों को दफनाने के लिए मजबूर किया गया था। बहरहाल, पूर्व सफाई कर्मचारी की पहचान उजागर नहीं की गयी है। उसने आरोप लगाया था कि कुछ शवों पर यौन उत्पीड़न के निशान थे। सफाईकर्मी ने इस संबंध में मजिस्ट्रेट के सामने बयान भी दिया है।

परमेश्वर ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सरकार ने एसआईटी प्रमुख को बदलने के संबंध में कोई फैसला नहीं लिया है लेकिन कुछ लोग इस मुद्दे पर अनावश्यक झूठे पोस्ट कर रहे हैं जो सही नहीं हैं।

उन्होंने कहा, ''इस पर बहुत सारी गलतफहमी हैं। जैसा कि सरकार चाहती थी कि कोई महानिदेशक पद का वरिष्ठ अधिकारी एसआईटी का नेतृत्व करे, तो इस उद्देश्य से मोहंती की नियुक्ति की गयी थी। इस बीच, मोहंती का नाम केंद्र सरकार की प्रतिनियुक्ति सूची में आया है। हमने इस संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया है, कि उन्हें केंद्र सरकार की प्रतिनियुक्ति पर भेजा जाए या नहीं। यह कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग और मुख्यमंत्री के अधिकार क्षेत्र में आता है।''

जांच से ध्यान भटकाने के लिए एसआईटी प्रमुख को हटाये जाने के आरोपों पर गृह मंत्री ने कहा, ''इसमें सरकार का क्या हित है? अगर ऐसा होता तो हम एसआईटी क्यों गठित करते?

सरकार केवल सच्चाई बाहर लाना चाहती है इसलिए एसआईटी गठित की गयी और जब वह जांच पूरी होने के बाद रिपोर्ट सौंप देगी तो सच्चाई सामने आ जाएगी। हम बस यही चाहते हैं।'' मोहंती की अध्यक्षता में गठित एसआईटी में पुलिस उप महानिरीक्षक (भर्ती) एम एन अनुचेथ और आईपीएस अधिकारी सौम्यलता एस के और जितेंद्र कुमार दयमा भी शामिल हैं। एसआईटी शिकायतकर्ता गवाह द्वारा पहचाने गए स्थानों पर कथित तौर पर सामूहिक रूप से लोगों को दफनाए जाने की अपनी जांच के तौर पर कब्रों की खुदाई करा रही है।

फ्रीडम पार्क में 5 अगस्त को वोट चोरी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने गुरुवार को कहा कि 5 अगस्त को फ्रीडम पार्क में राहुल गांधी के नेतृत्व में वोट चोरी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। केपीसीसी कार्यालय और फ्रीडम पार्क में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, हम फ्रीडम पार्क में विरोध प्रदर्शन करेंगे और फिर अपील दायर करने के लिए चुनाव आयोग के कार्यालय जाएँगे। हमें मतदाताओं के अधिकारों और संविधान की रक्षा करनी है। राहुल गांधी इस लड़ाई की शुरुआत कर्नाटक की धरती से कर रहे हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे पूरे देश में यह लड़ाई मज़बूत होगी। इस लड़ाई के दौरान कई चुनावी धांधलियों को उजागर किया जाएगा।

उन्होंने आगे कहा, यह विरोध प्रदर्शन सरकार और अदालतों द्वारा निर्धारित शर्तों के अनुसार आयोजित किया जा रहा है। पार्टी के सभी नेता और कार्यकर्ता इस विरोध प्रदर्शन में भाग लेंगे। यह पूछे जाने पर कि कांग्रेस पार्टी ने मसौदा मतदाता सूची पर आपत्ति क्यों नहीं जताई, उन्होंने कहा, हमने आपत्ति दर्ज कराई थी, लेकिन चुनाव आयोग ने उसे स्वीकार नहीं किया। महादेवपुरा और गांधीनगर निर्वाचन क्षेत्रों में कुछ समस्याएँ रही हैं।

पदयात्रा कितनी लंबी होगी, इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, यह कोई पदयात्रा नहीं है, हम फ्रीडम पार्क में विरोध प्रदर्शन करेंगे। हम पुलिस के सुझावों के आधार पर फ्रीडम पार्क से चुनाव आयोग तक पहुँचने का रास्ता तय करेंगे।

'हनीट्रैप' मामले की सीआईडी की रिपोर्ट अभी नहीं पढ़ी है : गृह मंत्री जी. परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य में मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों को कथित रूप से 'हनीट्रैप' में फंसाने के मामले में आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) की रिपोर्ट सौंपी जा चुकी है लेकिन उन्होंने अभी तक इसे पढ़ा नहीं है। यह विवाद सबसे पहले 20 मार्च को तब सामने आया था जब कांग्रेस विधायक बी एम राजन्ना ने विधानसभा में दावा किया था कि उन्हें 'हनीट्रैप' में फंसाने की कोशिश की गई और कम से कम 48 राजनीतिक नेता इस तरह की घटनाओं के शिकार हुए हैं। उनके आरोपों से विधानसभा में हड़कंप मच गया था जिसके बाद गृह मंत्री परमेश्वर ने उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए थे।

हालांकि, विपक्ष ने इस मामले की जांच उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश से कराने की मांग की थी। हाल ही में सीआईडी ने इस मामले में अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंप दी है।

परमेश्वर ने संवाददाताओं से कहा, सीआईडी ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है, लेकिन मैंने अब तक उसे पढ़ा नहीं है। जब मैं उसे पढ़ लूंगा, तब आपको जानकारी दूंगा। आपने (मीडिया) यह मामला उठाया और सीआईडी ने अपना काम किया, लेकिन मैंने अब तक रिपोर्ट नहीं पढ़ी है।

उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में छिपाने लायक कुछ भी नहीं है और पढ़ने के बाद इसे सार्वजनिक कर दिया जाएगा। इन अटकलों के बीच कि सीआईडी को आरोपों में कोई तथ्य नहीं मिला, विपक्षी भाजपा ने पूरी प्रक्रिया को दिखावा करार दिया।

विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा, तब विधानसभा में मंत्री द्वारा दिए गए बयान का क्या महत्व है? उन्होंने सड़क पर नहीं, बल्कि सदन के भीतर गंभीर चिंता व्यक्त की थी और विपक्ष से भी मामले को उठाने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे के चलते विधानसभा में भारी हंगामा हुआ था और भाजपा ने धरना प्रदर्शन किया था, जिसके कारण उसके 18 विधायक निलंबित कर दिए गए थे।

अशोक ने यह भी कहा कि राजन्ना के बेटे ने भी पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी जिसमें दावा किया गया था कि उन्हें भी 'हनीट्रैप' में फंसाने की कोशिश की गई थी। उन्होंने आरोप लगाया, अब रिपोर्ट कहती है कि ऐसा कुछ हुआ ही नहीं। अगर हमें पहले से पता होता कि कांग्रेस मामले को दबा देगी, तो हम इसे विधानसभा में उठाते ही नहीं।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने एक हजार करोड़ रुपये के कोष से कर्नाटक क्वांटम मिशन की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने राज्य में 20 अरब अमेरिकी डॉलर की क्वांटम अर्थव्यवस्था बनाने के लिए बृहस्पतिवार को कर्नाटक क्वांटम मिशन (केक्यूएम) की घोषणा की। इसकी शुरुआत एक हजार करोड़ रुपये के कोष से की गई और यह कर्नाटक के क्वांटम विजन 2035 का हिस्सा होगा।

मुख्यमंत्री कर्नाटक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संवर्धन सोसाइटी (केएसटीईपीएस), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, कर्नाटक सरकार द्वारा आईआईएससी क्वांटम टेक्नोलॉजी इनिशिएटिव (आईक्यूटीआई) के सहयोग से आयोजित 'क्वांटम इंडिया बेंगलूरु' शिखर सम्मेलन के पहले संस्करण के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा, जैसा कि विश्व 2025 को अंतरराष्ट्रीय क्वांटम वर्ष के रूप में मना रहा है, मुझे कर्नाटक के क्वांटम विजन 2035 की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है और 2035 तक हमारा लक्ष्य 10 हजार उच्च-कुशल नौकरियां सृजित करने तथा कर्नाटक को एशिया की क्वांटम राजधानी के रूप में विकसित करना है। उनके अनुसार, केक्यूएम यहां अनुसंधान एवं विकास, कौशल विकास, बुनियादी ढांचे और स्टार्टअप को बढ़ावा देगा।

सिद्दरामय्या ने कहा कि प्रतिभा निखारने के लिए कर्नाटक 20 से अधिक कॉलेजों में क्वांटम कौशल कार्यक्रम शुरू करेगा और हर साल 150 पीएचडी फेलोशिप को सहायता प्रदान करेगा।

कर्नाटक के श्रम मंत्रालय ने छंटनी मामले में टीसीएस को बातचीत के लिए बुलाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के श्रम मंत्री संतोष लाड ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनके विभाग ने टाटा समूह की सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) से बड़े पैमाने पर छंटनी के पीछे का कारण बताने को कहा है। मंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा, कल हमें जानकारी मिली कि टीसीएस 12,000 कर्मचारियों की छंटनी करने वाली है। है। हमारे विभाग ने कारण जानने के लिए टीसीएस अधिकारियों को बुलाया है।

उन्होंने कहा कि सनराइज इंडस्ट्रीज को श्रम कानूनों से छूट दी गई है, लेकिन कुछ शर्तें भी जुड़ी हैं। लाड ने कहा, ''हमने सनराइज इंडस्ट्रीज को श्रम कानूनों के दायरे से बाहर रखा है और पिछले पांच साल से हम उन्हें साल-दर-साल छूट दे रहे हैं, फिर भी कुछ शर्तें जुड़ी हैं।'' 'सनराइज' क्षेत्र का अर्थ ऐसा नया या अपेक्षाकृत नया उद्योग है जो तीव्र वृद्धि कर रहा है तथा जिसके भविष्य में अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण चालक बनने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'अगर वे किसी को नौकरी से निकालना चाहते हैं, तो उन्हें हमें जानकारी देनी होगी। हम उनसे इसी आधार पर बात कर रहे हैं।' टीसीएस ने संकेत दिया था कि वह इस साल अपने वैश्विक कार्यबल के लगभग दो प्रतिशत या 12,261 कर्मचारियों की छंटनी करने वाली है, जिनमें से अधिकांश मध्यम और वरिष्ठ वर्ग के होंगे। जून, 2025 के अंत तक टीसीएस के कर्मचारियों की संख्या 6,13,069 थी। हाल ही में समाप्त अप्रैल-जून तिमाही में इसने अपने कर्मचारियों की संख्या में 5,000 की वृद्धि की।

टीसीएस ने बयान में कहा कि यह कदम कंपनी की भविष्य के लिए तैयार संगठन' बनने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जो प्रौद्योगिकी, एआई परिनियोजन, बाजार विस्तार और कार्यबल पुनर्गठन में निवेश पर केंद्रित है। कर्नाटक राज्य आईटी/आईटीईएस कर्मचारी संघ ने बड़े पैमाने पर छंटनी पर कड़ी आपत्ति जताई थी और अतिरिक्त श्रम आयुक्त जी मंजूनाथ के समक्ष टीसीएस के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। एक बयान में, संघ ने कहा कि उसने औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के प्रावधानों के उल्लंघन के लिए प्रबंधन के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

इमारत ढही

बेंगलूरु के सम्पंगीरामनगर में गुरुवार को एक 80 साल पुरानी इमारत ढह गई, जिसके मालिक अश्विन उसमें फंस गए, जिन्हें एक राजमिस्त्री ने बचा लिया। इस पुरानी इमारत का इस्तेमाल पिछले महीने तक क्लाउड किचन के तौर पर किया जाता था।

मंगलूरु में नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में दोषी को 20 साल सश्रम कारावास की सजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक में मंगलूरु की एक अदालत ने वर्ष 2023 में नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के एक मामले में 30-वर्षीय एक व्यक्ति को 20 साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई। विशेष त्वरित अदालत ने दोषी मंसूर उर्फ मोहम्मद मंसूर उर्फ जबीर पर 50,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया।

दोषी बंटवाल तालुका के साजिपनडु गांव का निवासी है। अदालत ने मंसूर को आपराधिक धमकी के लिए भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 506 के तहत एक साल की अतिरिक्त कैद की भी सजा सुनाई और उसपर 5,000 रुपये का जुर्माना लगाया। मामला 23 दिसंबर, 2023 को मंगलूरु महिला थाने में दर्ज किया गया था। पीड़िता (16) ने आरोप लगाया था कि आरोपी ने 30 मई, 2023 को उससे दुष्कर्म किया और धमकी दी। पीड़िता ने आरोपी पर घटना का वीडियो बनाने का भी आरोप लगाया। आरोपी के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम और आईपीसी की संबंधित धाराओं के तहत आरोप तय किए गए।

मंसूर को आठ महीने तक गिरफ्तारी से बचने के बाद दो जुलाई, 2024 को गिरफ्तार कर लिया गया। मामले की जांच का नेतृत्व निरीक्षक गुरुराज और राजेंद्र बी. ने किया। न्यायाधीश मनु के.एस. ने सरकारी अभियोजक बद्रीनाथ और विशेष लोक अभियोजक सहानादेवी बोलुरु की दलीलें सुनने के बाद 30 जुलाई, 2025 को फैसला सुनाते हुए आरोपी को दोषी ठहराया।

दौरा

दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक मुकुल सरन माथुर ने धर्मावरम-व्हाइटफील्ड खंड का विस्तृत निरीक्षण किया, जिसमें विभिन्न परिचालन और सुरक्षा मानकों पर ध्यान केंद्रित किया गया। निरीक्षण का उद्देश्य पूरे खंड में पटरियों, सिग्नलिंग प्रणालियों और बुनियादी ढाँचे की स्थिति का आकलन करना था ताकि सुचारू और सुरक्षित रेल संचालन सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने नागसमुद्रम, पेनुकोंडा, हिन्दूपुर, दोड्डबल्लापुर, व्हाइटफील्ड आदि स्टेशनों का दौरा किया और पुनर्विकास कार्यों की समीक्षा की।

तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री ओ. पनीरसेल्वम ने राजग से नाता तोड़ा

चेन्नई। तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री ओ. पनीरसेल्वम के नेतृत्व वाली 'एआईएडीएमके कैडर राइट्स रिट्रीवल कमेटी' ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अगुवाई वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से नाता तोड़ लिया। समिति के सलाहकार और वरिष्ठ नेता पी एस रामचंद्रन ने इस फैसले की घोषणा की।

रामचंद्रन ने समिति प्रमुख पनीरसेल्वम और अन्य नेताओं की मौजूदगी में संवाददाताओं से कहा, ''अब से समिति राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का हिस्सा नहीं रहेगी।'' उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि राजग से अलग होने का फैसला सर्वसम्मति से लिया गया। रामचंद्रन ने कहा कि समिति की ओर से इसके प्रमुख पनीरसेल्वम जल्द ही राज्य के विभिन्न हिस्सों का दौरा शुरू करेंगे और भविष्य में गठबंधन से संबंधित फैसले राजनीतिक परिस्थितियों के अनुसार किए जाएंगे। राजग से अलग होने का कारण पूछे जाने पर रामचंद्रन ने कहा कि इसका कारण सबको ज्ञात है और उसे बताने की आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने भरोसा जताया कि भविष्य में जनता को सही दिशा में ले जाने वाला एक उपयुक्त गठबंधन सामने आएगा। यह पूछे जाने पर कि क्या भाजपा ने पनीरसेल्वम की अगुवाई वाली समिति के साथ विश्वासघात किया है, रामचंद्रन ने कहा कि उन्हें यह बताने की जरूरत नहीं है कि भाजपा ने समिति के साथ क्या किया क्योंकि देश को इसकी जानकारी है। एक सवाल के जवाब में पनीरसेल्वम ने कहा कि यहां सुबह की सैर के दौरान उन्हें मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन मिल गए और अभिवादन करने के बाद वह आगे बढ़ गए। राजग से उनके अलग होने की अटकलें तब और तेज हो गईं जब पनीरसेल्वम ने 29 जुलाई को केंद्र सरकार की 'समग्र शिक्षा' निधि तमिलनाडु को जारी नहीं करने के लिए उसकी कड़ी आलोचना की थी। पनीरसेल्वम 26 और 27 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तमिलनाडु यात्रा के दौरान उनसे मुलाकात की कोशिश कर रहे थे लेकिन यह नहीं हो सका।

'ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम' (अन्नाद्रमुक) के महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने 26 जुलाई की रात तिरुचिरापल्ली हवाईअड्डे पर प्रधानमंत्री से मुलाकात की थी। वहीं, अमित शाह की हालिया तमिलनाडु यात्रा के दौरान भी पनीरसेल्वम को आमंत्रित नहीं किया गया था।

पनीरसेल्वम ने 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए राजग के साथ गठबंधन किया था। उस समय अन्नाद्रमुक भाजपा गठबंधन का हिस्सा नहीं थी क्योंकि उसने सितंबर 2023 में राजग से नाता तोड़ लिया था।

बिहार में कांग्रेस की आसन्न हार से ध्यान भटकाने के लिए आयोजित की जा रही राहुल की विरोध सभा : भाजपा

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता आर. अशोक ने कथित 'वोट चोरी' के खिलाफ अगले सप्ताह बेंगलूरु में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की प्रस्तावित विरोध सभा के बारे में बृहस्पतिवार को कहा कि बिहार के आगामी चुनावों में कांग्रेस की आसन्न हार से ध्यान भटकाने के लिए यह सभा आयोजित की जा रही है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने हाल ही में दावा किया था कि कांग्रेस ने कर्नाटक के एक संसदीय क्षेत्र का अध्ययन करके वोट चोरी का पता लगाया है। वह पांच अगस्त को यहां एक विरोध सभा में भाग लेंगे। उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने 30 जुलाई को कहा था कि विरोध का स्थान और कार्यक्रम की प्रकृति - रैली, विरोध प्रदर्शन या मार्च- बृहस्पतिवार को एक बैठक के बाद तय की जाएगी। उन्होंने शहर में इस तरह के आयोजनों के लिए तकनीकी मुद्दों और अदालत के निर्देशों का हवाला दिया। अशोक ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, राहुल गांधी जिसे विरोध प्रदर्शन कह रहे हैं, वह बिहार में कांग्रेस की आसन्न हार से ध्यान भटकाने के प्रयास का हिस्सा है। अगर कर्नाटक में गड़बड़ी के वास्तविक सबूत हैं, तो वह एक साल से अधिक समय तक चुप क्यों रहे?

कैसी भी मुश्किल परस्थितियां हों, विद्यालय जाना बंद न करें विद्यार्थी : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने विद्यार्थियों से कहा है कि चाहे कितनी भी मुश्किल परिस्थितियां हो, विद्यालय जाना बंद मत करना, क्योंकि शिक्षा से ही परिवार और समाज के उत्थान का राह प्रशस्त होगी। बागड़े अपने कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में गुरुवार को उदयपुर जिले के जनजाति बहुल कोटड़ा ब्लॉक में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय परिसर में बालक-बालिकाओं से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उनकी मंशा थी कि कार्यकाल का एक वर्ष पूरा होने पर किसी गांव देहात में जायें। लोगों से संवाद करके पता करें कि सरकार की योजनायें उन तक पहुंची हैं या नहीं। बागड़े ने कहा कि इसी वजह से कोटड़ा जैसे इस दूरदराज का क्षेत्र का उन्होंने चयन किया।

उन्होंने कहा कि यहां आकर लोगों से संवाद किया तो पता चला कि केंद्र एवं राज्य सरकार की नयी योजनाओं का लाभ इन तक पहुंच रहा है। लोग योजनाओं के लाभ से अब तक वंचित हैं, उन लोगों को भी इन योजनाओं से जोड़कर उन्हें लाभ प्रदान करना हम सब की जिम्मेदारी है। राज्यपाल ने कहा कि राजस्थान में नौ जिले ऐसे हैं, जहां जनजाति समाज की संख्या 60 प्रतिशत से अधिक है। इस क्षेत्र के लोगों के उत्थान के लिए केंद्र एवं राज्य सरकारों ने बहुत सी योजनायें चला रखी हैं। शिक्षा, चिकित्सा रोजगार आदि आवश्यकता के क्षेत्र में कई योजनायें चल रही हैं। गरीबी मिटाने के लिए शिक्षा को बढ़ावा देना जरूरी है।

जनजाति क्षेत्र में बहुत छोटी जोत होने और जनसंख्या बढ़ने पर उसके भी छोटे-छोटे टुकड़े हो जाने से कृषि के क्षेत्र में ज्यादा संभावना नहीं है। इसलिए शिक्षा के माध्यम से रोजगार प्राप्त करना जरूरी हो गया है। उन्होंने झालावाड़ दुखांतिका पर संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि भवन निर्माण के दौरान छत को जलरोधक बनाने और पानी जमा नहीं होने देने की व्यवस्था करके इस तरह की घटनाओं से बचा जा सकता है। ग्राम पंचायत, ग्रामीणजनों और शिक्षकों की सामूहिक जिम्मेदारी है कि वह स्कूल भवनों के बारे में जानकारी रखें और इस तरह की घटनाओं को रोकने में मदद करें। बागड़े ने जनजाति अंचल में कुपोषण की समस्या पर भी चिन्ता जताई। उन्होंने ग्रामीणों से बच्चों में तीन वर्ष का अंतर रखने का अनुरोध किया जिससे मां और बच्चे दोनों को पोषण का समय मिले। ग्रामीण क्षेत्र में नशे की प्रवृत्ति को रोकने की आवश्यकता जताते हुए बागड़े ने कहा कि हम यह प्रयास करें कि युवा पीढ़ी नशे के चंगुल में फंसने ही नहीं पायें।

स्मार्ट मीटर के खिलाफ प्रदर्शन

श्रीगंगानगर। राजस्थान में श्रीगंगानगर जिले के पदमपुर में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने गुरुवार को स्मार्ट मीटर योजना और बिजली के निजीकरण के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। माकपा के जिला व्यापी आह्वान पर सैकड़ों कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग के सहायक अभियंता कार्यालय के बाहर एकत्र होकर नारेबाजी की और सरकार की नीतियों के खिलाफ रोष जताया।

प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें स्मार्ट मीटर योजना को तत्काल बंद करने, बिजली के निजीकरण पर रोक लगाने और बिजली विधेयक-2020 को वापस लेने की मांग की गयी। माकपा ने चेतावनी दी कि अगर मांगें नहीं मानी गयीं तो वह गांव-गांव में स्मार्ट मीटर का विरोध तेज करेगी।

माकपा नेता कॉमरेड रवींद्र तरखान ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि बिजली आम आदमी की मूलभूत आवश्यकता है, लेकिन केंद्र और राज्य सरकारें इसे व्यावसायिक इकाइयों के लाभ का साधन बना रही हैं। उन्होंने स्मार्ट मीटर योजना को जनता के खिलाफ एक सुनियोजित साजिश करार देते हुए कहा कि इससे न केवल बिजली के निजीकरण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ भी डाला जायेगा।

दीया कुमारी ने डिग्गी यात्रा को किया रवाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने सावन की रिमझिम बारिश के बीच गुरूवार को यहां डिग्गी कल्याणजी की पदयात्रा का शुभारंभ किया। श्रीमती दीया कुमारी ने ध्वज पूजा-अर्चना कर चौड़ा रास्ता स्थित ताड़केश्वर महादेव मंदिर से इस यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर विधायक गोपाल शर्मा और कई संत-महंत भी मौजूद थे। इस मौके श्रीमती दीया कुमारी ने कहा कि बारिश हो रही है और डिग्गी कल्याणजी का आशिर्वाद है। श्रद्धालुओं का उत्साह अपार है।

इस दौरान यात्रा में श्रद्धालुओं का अपार उत्साह के साथ हाथी, घोड़े, ऊंट, बैंड-बाजों के साथ यात्रा का शाही रूप दिखाई दिया। शिव-पार्वती, हनुमान और राधा-कृष्ण की भव्य झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति वाली इस यात्रा में कई लोग कनक दंडवत करते हुए आगे बढ़ते नजर आए। जगह-जगह सेवार्थ स्टॉल्स पर फल, पानी, जूस आदि वितरित किए गए। बारिश के बावजूद श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते नजर आये। इस दौरान माहौल पूरा भक्तिमय बन गया।

अवलोकन

राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से विमुक्ति बालिका विद्यालय की छात्राओं ने मुलाकात की। इस दौरान छात्राओं ने विधान सभा के सदन, भवन और राजनीतिक आख्यान संग्रहालय का अवलोकन किया।

राजस्थान के अनेक इलाकों में भारी बारिश जारी, नदियां उफान पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के अनेक जिलों में लगातार भारी बारिश हो रही है जिससे नदियां उफान पर हैं और कई जगह जलभराव हो गया है। मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार को भी अनेक जगह भारी बारिश होने की चेतावनी जारी की है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार आज बृहस्पतिवार को दक्षिण-पश्चिमी उत्तर प्रदेश व आसपास के पूर्वी राजस्थान के ऊपर परिसंचरण तंत्र बना हुआ है। इसके असर से आज जयपुर संभाग के शेखावाटी क्षेत्र व बीकानेर संभाग में कहीं-कहीं भारी-अतिभारी बारिश होने व अजमेर, कोटा, भरतपुर संभाग में कहीं-कहीं मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है।

वहीं एक अगस्त को शेखावाटी क्षेत्र व बीकानेर संभाग में कहीं-कहीं मध्यम से भारी बारिश होगी जबकि शेष अधिकांश भागों में भारी बारिश से राहत रहेगी। दो अगस्त को राज्य के अधिकांश भागों में भारी बारिश से राहत मिलने की संभावना है। हालांकि, उत्तर-पूर्वी राजस्थान के भरतपुर व जयपुर संभाग के कुछ भागों में 3 से 6 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं मध्यम से भारी बारिश हो सकती है।

बृहस्पतिवार सुबह साढ़े आठ बजे तक के चौबीस घंटे में राजस्थान के अधिकांश हिस्सों में मेह बरसा। कहीं-कहीं पर भारी से अतिभारी बारिश दर्ज की गई। सर्वाधिक बारिश शाहपुरा (जयपुर) में 156.0 मिलीमीटर दर्ज हुई है। अधिकारियों ने बताया कि लगातार बारिश के कारण धौलपुर में चंबल नदी व कोटा में पार्वती नदी का जल स्तर खतरे के निशान से ऊपर दर्ज किया गया है। राज्य के आपदा प्रबंधन और राहत विभाग के अधिकारियों ने आम जन को मानसून जनित हादसों से सुरक्षित रखने के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास शुरू कर दिए हैं। कोटा, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, टोंक में एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की टीमें तैनात की गई हैं।

जैसलमेर में डिग्गी में डूबे दो युवकों के शव बरामद

जैसलमेर। राजस्थान के जैसलमेर जिले में बारिश के पानी से भरे गड्ढे डिग्गी में डूबे दो युवकों के शव बृहस्पतिवार सुबह बरामद कर लिए गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना फतेहगढ़ उपखंड के रणधा गांव में हुई, जहां दो युवक बुधवार दोपहर एक खेत में बारिश के पानी से भरे गड्ढे में नहाते समय लापता हो गए थे।

स्थानीय पुलिस शवों को नहीं खोज पाई तो जोधपुर से राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम को बुलाया गया। टीम ने बुधवार देर रात बचाव अभियान शुरू किया और बृहस्पतिवार तड़के शवों को बरामद करने में सफल रही। झिनझिनयाली के थानाधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि युवकों की पहचान जैसलमेर जिले के रणधा गांव के रहने वाले मुकेश नाथ और बाड़मेर जिले के मेवनाथ के रूप में हुई हैं, वे काम के लिए गांव के एक खेत में आए थे।

वे पास ही बने एक गड्ढे में नहाने गए थे और गहरे पानी में चले जाने के बाद डूब गए। जब वे काफी देर तक वापस नहीं लौटे, तो स्थानीय लोगों ने उनकी तलाश की और डिग्गी के पास उनके जूते मिले। उन्होंने बताया कि शवों को खोजने के लिए जेसीबी मशीनों से शुरुआती प्रयास असफल रहे, जिसके बाद अधिकारियों ने एसडीआरएफ टीम को बुलाया। पुलिस ने बताया कि शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं।

सिख छात्रों को परीक्षा केंद्रों में धार्मिक प्रतीक ले जाने की अनुमति दी जाए : राजस्थान सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार ने दोहराया है कि सिख समुदाय के छात्रों को कृपाण, कड़ा और पगड़ी जैसे धार्मिक प्रतीक पहनकर प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने की अनुमति दी जानी चाहिए। एक सिख छात्रा को कृपाण पहनकर न्यायिक सेवा भर्ती परीक्षा में नहीं बैठने देने की घटना के बाद व्यापक नाराजगी के मद्देनजर सरकार ने 29 जुलाई को इस संबंध में एक नया निर्देश जारी किया है। हालिया निर्देश में कांग्रेस की पिछली सरकार की ओर से जारी 2019 के एक परिपत्र का हवाला दिया गया था जिसमें सभी संबंधित पक्षों से राजस्थान लोक सेवा आयोग और कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं के दौरान सिख उम्मीदवारों को धार्मिक प्रतीक पहनने की अनुमति देने का अनुरोध किया गया था।

रविवार को पंजाब के तरनतारन जिले की एक अभ्यर्थी गुरप्रीत कौर ने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट किया जिसमें उन्होंने आरोप लगाया गया कि उन्हें 27 जुलाई को जयपुर में राजस्थान उच्च न्यायालय की न्यायिक सेवा परीक्षा में इसलिए नहीं बैठने दिया गया क्योंकि उन्होंने कृपाण धारण किया हुआ था। यह अमृतधारी सिखों के लिए अनिवार्य धार्मिक मान्यता है। इस घटना की सिख समुदाय और धार्मिक संस्थाओं ने आलोचना की। अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गडगज ने इस घटना की निंदा की।

गडगज ने एक पोस्ट में कहा, राजस्थान उच्च न्यायालय सिविल जज परीक्षा में अमृतधारी अभ्यर्थियों को प्रवेश न देना बड़ा संवैधानिक उल्लंघन और सिख विरोधी भेदभाव है। शिरोमणि अकाली दल और एसजीपीसी को एक संयुक्त प्रतिनिधिमंडल बनाकर स्थायी समाधान के लिए भारत सरकार और राजस्थान सरकार के समक्ष यह मामला उठाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष इकबाल सिंह लालपुरा को इस मुद्दे को प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के समक्ष उठाना चाहिए और अकाल तख्त को एक विस्तृत रिपोर्ट भेजनी चाहिए।

राजस्थान राज्य अल्पसंख्यक आयोग ने भी अधिकारियों को पत्र लिखकर सिख उम्मीदवारों की इस संबंध में बार-बार की शिकायतों का हवाला दिया और इस बात पर जोर दिया कि मौजूदा नीति को लागू न करने से समुदाय में नाराजगी पैदा हुई है। अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) भास्कर ए. सावंत ने अपने निर्देश में 2019 के निर्देशों को लागू करने में हुई चूक को स्वीकार किया और इनके अनुपालन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे सिख उम्मीदवारों को सुरक्षा जांच के लिए एक घंटा पहले पहुंचने का निर्देश दिया जा सकता है, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि धार्मिक प्रतीकों को परीक्षा से वंचित करने का आधार नहीं बनाया जाना चाहिए जब तक कि स्क्रीनिंग के दौरान कोई संदिग्ध उपकरण न पाया जाए।

निर्देश में दिल्ली उच्च न्यायालय के एक फैसले का भी हवाला दिया गया है, जिसमें सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने पर परीक्षा केंद्रों में धार्मिक प्रतीक ले जाने की अनुमति दी गई थी। राज्य सरकार द्वारा नीति की पुनः पुष्टि का स्वागत करते हुए सादुलशहर से भाजपा विधायक गुरवीर सिंह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि मुख्यमंत्री ने इस मुद्दे पर स्पष्टता और संवेदनशीलता के साथ प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सिख छात्रों से परीक्षा दिशानिर्देशों का पालन करते हुए अपनी आस्था की गरिमा बनाए रखने का आग्रह किया।

स्वास्थ्य सेवाएं की निर्बाध एवं समुचित उपलब्धता के लिए चिकित्सा संस्थानों का किया जा रहा निरीक्षण : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक मंत्री जोगाराम पटेल ने गुरुवार को उप जिला अस्पताल सालावास का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पटेल ने कहा यशस्वी मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार प्रत्येक नागरिक को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने की दिशा में कृत संकल्पित होकर काम कर रही है। उन्होंने कहा प्रत्येक क्षेत्रवासी को स्वास्थ्य सेवाएं की निर्बाध एवं समुचित उपलब्धता सुनिश्चित हो इसलिए समय-समय पर चिकित्सा संस्थानों का औचक निरीक्षण किया जा रहा है।

इस दौरान जनरल ओपीडी, लेबर रूम, ऑपरेशन थिएटर कॉम्पलेक्स, इंजेक्शन एवं ड्रेसिंग कक्ष,ईसीजी कक्ष, एनसीडी क्लिनिक, पुरूष वार्ड,महिला वार्ड,डायलिसिस यूनिट, शिशु रोग वार्ड,जनाना वार्ड, एक्स-रे एवं सोनाग्राफी कक्ष,लेबर रूम, टीकाकरण कक्ष,पंजीकरण रजिस्टर एवं दवाओं के स्टॉक का अवलोकन कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

पटेल ने बीसीएमओ को क्षेत्र के चिकित्सा संस्थानों में अधिकाधिक औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने रजिस्ट्रेशन काउंटर, आवश्यक सामग्री एवं शुद्ध पेयजल सहित अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने 'मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान हरियालो राजस्थान' के तहत अस्पताल परिसर में वृक्षारोपण कर अस्पताल परिसर को हरित परिसर के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। संसदीय कार्य मंत्री ने अभियान चलाकर अस्पताल परिसर एवं सभी वार्ड्स में सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी कार्मिकों को निर्देश दिए कि अस्पताल में समय पर उपस्थित रहकर मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराएं। उन्होंने अस्पताल परिसर में पार्किंग के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए आरएसजीएल चलायेगा अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान स्टेट गैस के प्रबंध निदेशक रणवीर सिंह ने कहा है कि आरएसजीएल द्वारा ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए अभियान के रुप में अवेयरनेस कार्यक्रमों को संचालन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा प्राकृतिक गैस की आवश्यकता और महत्व को देखते हुए ही पिछले दिनों ही राज्य सरकार की सीजीडी पालिसी जारी की है। इसी क्रम में राज्य सरकार के संयुक्त उपक्रम राजस्थान स्टेट गैस द्वारा कोटा में उद्योगों को सुरक्षित और सुलभ ग्रीन एनर्जी उपलब्ध कराने के लिए राजस्थान गैस, रीको, उद्योग, पर्यावरण विभाग व कोटा के उद्योगों के प्रतिनिधियों को साझा मंच उपलब्ध कराते हुए प्राकृतिक गैस अपनाने का आग्रह किया है। चर्चा के दौरान ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने में प्राकृतिक गैस के उपयोग पर जोर दिया गया और इसको लेकर विशेषज्ञों ने संभावित शंकाओं और जिज्ञासाओं का भी निराकरण किया। इस मौके पर उद्यमियों ने प्राकृतिक गैस को भी कॉमर्शियल एलपीजी की तरह जीएसटी के दायरें में लाने की आवश्यकता जताई। प्राकृतिक गैस की उपलब्धता की चर्चा करते हुए बताया गया कि सीएनजी-पीएनजी की 24 गुणा सात यानी की गैस की आपूर्ति निर्बाध रहने के साथ ही इसे भण्डारित करने या बुकिंग कराकर प्रतीक्षा करने की आवश्यकता नहीं होती। इसके साथ ही प्राकृतिक गैस सुरक्षित होने के साथ ही पर्यावरण के लिए भी उपयुक्त है। राजस्थान स्टेट गैस के उपमहाप्रबंधक सीपी चौधरी और उपमहाप्रबंधक मार्केटिंग विवेक रंजन ने बताया कि राजस्थान स्टेट गैस द्वारा कोटा में प्राकृतिक गैस की लगभग 350 किमी लाइन बिछा कर आधारभूत ढ़ांचा विकसित कर दिया है। उन्होंने बताया कि आधारभूत ढ़ांचा विकसित करने का कार्य जारी है वहीं घरों, रेजिडेंसियल कालोनियों, पीजी, मल्टी स्टोरी के साथ ही उद्योगों और व्यावसायिक कार्यों के लिए गैस उपलब्ध है।

राजस्थान स्टेट गैस के उपमहाप्रबंधक आनन्द आर्य व वित्तीय सलाहकार दीप्तांशु पारीक ने बताया कि विभाग द्वारा पाइप लाइन से घरेलू गैस कनेक्शन उपलब्ध कराने के साथ ही सीएनजी स्टेशनों के माध्यम से वाहनों के लिए कंप्रेस्ड नेचुरल गैस उपलब्ध कराई जा रही है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की श्रीमती योगिता ने बताया की ग्रीन एनर्जी आज समय की मांग है। ऐसे में उद्योगों को ग्रीन एनर्जी के रूप में प्राकृतिक गैस के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि प्रकृति का संरक्षण हम सबका दायित्व है।

कांग्रेस की 'हिंदू आतंकवाद' की साजिश ध्वस्त, सोनिया गांधी और राहुल गांधी माफी मांगें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मालेगांव विस्फोट मामले में सात आरोपियों को बरी किए जाने के फैसले का स्वागत करते हुए बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी को आगे बढ़ने से रोकने के लिए अपने मुस्लिम मतदाताओं को खुश करने के वास्ते ''हिन्दू आतंकवाद'' का विमर्श गढ़ा था।

भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने मांग की कि भाजपा की पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित बरी किए गए आरोपियों को मुआवजा दिया जाना चाहिए और अभियोजन पक्ष को उन्हें फंसाने के लिए कथित तौर पर यातना देने और सबूत गढ़ने के वास्ते माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने इसे ऐतिहासिक दिन बताते हुए कहा, कांग्रेस अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। यह मामला विशुद्ध वोट बैंक की राजनीति के लिए पार्टी की एक सोची-समझी साजिश थी।

प्रसाद ने कहा कि 'भगवा आतंकवाद' की संभावना को बल देने संबंधी कांग्रेस की साजिश विफल हो गई है। इससे पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अदालत के फैसले से संबंधित सवालों को खारिज करते हुए कहा कि यह वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने

का प्रयास है। उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारतीय अर्थव्यवस्था पर आलोचनात्मक टिप्पणियों को लेकर सरकार पर निशाना साधा।

इस पर पलटवार करते हुए प्रसाद ने दावा किया कि विकीलीक्स के अनुसार, गांधी ने 2010 में अमेरिकी राजदूत से कहा था कि चरमपंथी हिंदू समूह आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से भी अधिक खतरनाक हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता गांधी का दावा पूरी तरह से गलत साबित हुआ है और वह सच्चाई से भाग रहे हैं। प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी और उनकी मां सोनिया गांधी को देश से माफी मांगनी चाहिए। मालेगांव विस्फोट में छह लोगों की मौत होने के लगभग 17 साल बाद एक विशेष अदालत ने प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित समेत सभी सातों आरोपियों को बृहस्पतिवार को बरी करते हुए कहा कि उनके खिलाफ कोई ''विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं हैं।

प्रसाद ने पुरोहित की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक बहादुर और सम्मानित अधिकारी बताया जिन्होंने कश्मीर में आतंकवाद से लड़ाई लड़ी। उन्होंने ठाकुर को एक 'संत' बताया। प्रसाद ने कहा कि दोनों को झूठे आरोपों के कारण 17 साल तक कष्ट सहना पड़ा।

भाजपा नेता ने कई मामलों का हवाला देते हुए कहा कि कांग्रेस नीत तत्कालीन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार ने संदिग्ध मुस्लिम आरोपियों और आतंकवादी संगठनों की भूमिका को कथित तौर पर छिपाने की कोशिश की थी। उन्होंने 2004 में गुजरात पुलिस द्वारा मुठभेड़ में मारी गई लश्कर-ए-तैयबा की संदिग्ध सदस्य इशरत जहां, 2007 के मक्का मस्जिद विस्फोट मामले और 2007 के समझौता एक्सप्रेस विस्फोट का उल्लेख किया।

प्रसाद ने कहा, कांग्रेस वोट बैंक की अपनी राजनीति में किसी भी हद तक जा सकती है।

अरुणाचल भारत की उभरती जलविद्युत राजधानी : खांडू

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा कि राज्य भारत की उभरती हुई जल विद्युत राजधानी है तथा उन्होंने इसकी विशाल ऊर्जा क्षमता और आर्थिक विकास एवं सामुदायिक कल्याण में इसकी परिवर्तनकारी भूमिका पर प्रकाश डाला।

'एक्स' पर पोस्ट में खांडू ने कहा कि 56,000 मेगावाट की जल विद्युत क्षमता के साथ अरुणाचल प्रदेश न केवल खुद को राष्ट्र के ऊर्जा इंजन के रूप में स्थापित कर रहा है, बल्कि यह उदाहरण भी प्रस्तुत कर रहा है कि कैसे प्राकृतिक सौंदर्य और आधुनिक बुनियादी ढांचा एक साथ आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा, अरुणाचल न केवल भारत की जलविद्युत राजधानी के रूप में उभर रहा है, बल्कि यह इस बात का प्रतीक भी है कि किस प्रकार प्राकृतिक सौंदर्य और प्रगति साथ-साथ चल सकते हैं। बिजली क्षेत्र में हुई तीव्र प्रगति का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कई प्रमुख जल विद्युत परियोजनाएं (जो कभी कागजी कार्रवाई तक ही सीमित थीं) अब परिचालन वास्तविकता बन रही हैं।

उरियमघाट में अतिक्रमण रोधी अभियान में लगभग 3,306 एकड़ भूमि खाली कराई गई : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य सरकार ने गोलाघाट जिले के उरियमघाट में जारी अतिक्रमण रोधी अभियान के तहत करीब 3,305.78 एकड़ जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया है। शर्मा ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, इस अतिक्रमण रोधी अभियान से पहले हमने 42,644.57 एकड़ जमीन अतिक्रमणकारियों से मुक्त कराई थी, लेकिन अब उरियमघाट में सफल अभियान के साथ 45,950 एकड़ जमीन अतिक्रमण मुक्त करा ली गई है।

मुख्यमंत्री ने अतिक्रमण रोधी अभियान में समर्थन और सहयोग के लिए नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो और अभियान के दौरान तटस्थता सुनिश्चित करने के लिए सीमा पर विवादित क्षेत्र बेल्ट (डीएबी) क्षेत्र की जिम्मेदारी संभाल रहे नगालैंड पुलिस और सीआरपीएफ (केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल) को भी धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, सभी ने इस अतिक्रमण रोधी अभियान की

सफलता सुनिश्चित करने में योगदान दिया और हमारी मदद की। अभियान के बाद हटाए गए लोगों के एक वर्ग द्वारा 'मियांलैंड' की मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए शर्मा ने कहा, मुझे इस पर कोई आपत्ति नहीं है लेकिन यह बांग्लादेश में होगा, यहां नहीं। हम इस संबंध में उनकी मदद भी करेंगे।

उन्होंने कहा, बांग्लादेश में काफी जमीन है लेकिन अगर वहां कोई समस्या है तो इसे अफगानिस्तान में किया जा सकता है। गुवाहाटी और उसके आसपास के वन क्षेत्र में रहने वाले लोगों के मौजूदा सर्वेक्षण के बारे में शर्मा ने कहा कि इन क्षेत्रों में रहने वाले गैर-जातीय मूल के लोगों का सर्वेक्षण शुरू हो गया है ताकि पता लगाया जा सके कि वे कितनी पीढ़ियों से वहां रह रहे हैं। शर्मा ने कहा कि यह सर्वेक्षण केवल वन भूमि क्षेत्र में होगा राजस्व क्षेत्र में नहीं।

अफजल गुरु के मामले में गृह मंत्री ने मेरे खिलाफ झूठे आरोप लगाए : चिदंबरम

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने संसद हमले के दोषी अफजल गुरु को मौत की सजा देने में देरी का आरोप लगाने संबंधी गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी को लेकर बृहस्पतिवार को उन पर निशाना साधा और कहा कि शाह ने झूठ बोला तथा तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश किया। शाह ने बुधवार को राज्यसभा में कहा था कि जब तक चिदंबरम गृह मंत्री रहे, गुरु को मौत की सजा नहीं दी जा सकी।

चिदंबरम ने एक बयान में कहा, गृह मंत्री अमित शाह का राज्यसभा में दिया बयान, आक्षेप, झूठ और विकृत तथ्यों का मिश्रण है। चिदंबरम ने कहा कि अदालतों द्वारा दोषसिद्धि और सजा सुनाए जाने के बाद गुरु की पत्नी ने अक्टूबर 2006 में भारत के राष्ट्रपति के समक्ष दया याचिका दायर की थी। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति ने तीन फरवरी, 2013 को दया याचिका खारिज कर दी। अफजल गुरु को छह दिन बाद नौ फरवरी, 2013 को फांसी दे दी गई। मैं एक दिसंबर, 2008 से 31 जुलाई, 2012 तक गृह मंत्री था। चिदंबरम ने बताया, पूरी अवधि के दौरान, दया याचिका राष्ट्रपति के समक्ष लंबित थी। कानून यह है कि दया याचिका का निपटारा होने तक मौत की सजा नहीं दी जा सकती।

'हिंदू आतंकवाद' शब्द गढ़ने के लिए कांग्रेस और दिग्विजय सिंह माफी मांगें : मोहन यादव

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता उमा भारती ने 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में अदालत के फैसले का बृहस्पतिवार को स्वागत किया और कहा कि कांग्रेस नेताओं, खासकर दिग्विजय सिंह को 'हिंदू आतंकवाद' का विमर्श गढ़ने और 'संतों' को बदनाम करने के लिए माफी मांगनी चाहिए।

मुख्यमंत्री यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, सत्यमेव जयते...मालेगांव विस्फोट प्रकरण में सभी आरोपियों का निर्दोष सिद्ध होना कांग्रेस की संकुचित मानसिकता पर करारा प्रहार है। उन्होंने कहा कि 'हिन्दू आतंकवाद' जैसे विमर्श गढ़ने वाली कांग्रेस को सदैव याद रखना चाहिए कि हिन्दू कभी आतंकवादी नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, यह निर्णय सनातन धर्म, साधु-संतों एवं भगवा को अपमानित करने वाले लोगों को करारा जवाब है। कांग्रेस को सभी सनातनियों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

ट्रंप की शुल्क चुनौती को आत्मनिर्भरता के अवसर में बदले भारत : मायावती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने केंद्र सरकार से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए नए शुल्क से उत्पन्न आर्थिक चुनौतियों को भारत की आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के अवसर में बदलने का आग्रह किया है।

मायावती ने आगामी एक अगस्त से प्रभावी भारतीय आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क और रूस से तेल आयात पर जुर्माना लगाने की अमेरिकी राष्ट्रपति की घोषणा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बृहस्पतिवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि एक मित्र देश कहे जाने के बावजूद अमेरिका ने एक कठोर कदम उठाया है जिसका भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव पड़ सकता है।

मायावती ने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत को 'मित्र' कहे जाने के बावजूद एक अगस्त से भारतीय आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने और रूस से तेल आयात पर जुर्माना लगाने का फैसला एक नई चुनौती पेश करता है। केंद्र सरकार

को इसे आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के अवसर में बदलना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अर्थव्यवस्था अप्रभावित रहे। उन्होंने यह भी आशा व्यक्त की कि केंद्र सरकार अपने इस आश्वासन पर कायम रहेगी कि किसानों, लघु एवं मध्यम उद्योगों और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के हितों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, भारत, दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश है और यहां अधिकांश गरीब और मेहनती नागरिक हैं, इसलिए हर कामगार को रोज़गार प्रदान करने वाली नीति के माध्यम से आगे बढ़ने की क्षमता रखता है। मायावती ने कहा, अगर इसे सही ढंग से लागू किया जाए तो भारत निश्चित रूप से सभी के कल्याण के लिए काम करने वाला एक समृद्ध

अमेरिकी शुल्क मामले पर हम देश के साथ, क्या प्रधानमंत्री ट्रंप के आरोपों पर चुप रहेंगे : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 25 प्रतिशत का आयात शुल्क लगाए जाने को लेकर बृहस्पतिवार को कहा कि भारत की ''सामरिक स्वायात्तता'' पर हमला किया गया है और मुख्य विपक्षी दल देश के साथ खड़ा है।

उन्होंने यह सवाल भी किया कि क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उन आरोपों पर चुप रहेंगे जो ट्रंप ने भारत के खिलाफ लगाए हैं?

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कटाक्ष करते हुए कहा, मोदी सरकार को 'पीआर' की चिंता के बजाय, देश की चिंता करनी चाहिए। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, युद्धविराम को लेकर ट्रंप के बयानों पर मोदी जी ने संसद में मौन व्रत धारण कर रखा था। अब ट्रंप ने भारत पर जो बेबुनियाद आरोप लगाए हैं, क्या उसपर भी मोदी चुप रहेंगे ?'' उन्होंने कहा, नरेन्द्र मोदी जी, देश सबसे पहले है और हम देश के साथ हैं। खरगे ने कहा, ट्रंप ने हमारे ऊपर 25 प्रतिशत शुल्क और जुर्माना थोपा है। इससे देश के

व्यापार को नुक़सान होगा, एमएसएमई और किसान पर भी बुरा असर पड़ेगा। कई उद्योगों को भारी क्षति होगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के मंत्री महीनों से अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर बात कर रहे हैं तथा कुछ तो कई दिनों तक वाशिंगटन में डेरा डाले बैठे रहे। कांग्रेस अध्यक्ष ने कटाक्ष किया, आपके (मोदी) दोस्त नमस्ते ट्रंप और अबकी बार, ट्रंप सरकार ने आपकी दोस्ती का हमारे देश को ये सिला दिया?

खरगे के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति ने शुल्क की वजह बताई है कि भारत रूस से तेल आयात कर रहा है और हथियार खरीदता है, भारत ब्रिक्स का सदस्य है और ब्रिक्स द्वारा अमेरिकी डॉलर पर हमला किया जा रहा है। उन्होंने कहा, यह भारत की सामरिक स्वायत्तता वाली राष्ट्रीय नीति पर कड़ा प्रहार है। इतिहास गवाह है कि गुटनिरपेक्षता हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण नीति रही है।

ईडी ने सहकारी बैंक 'धोखाधड़ी' मामले में पहली बार अंडमान और निकोबार में छापे मारे

पोर्ट ब्लेयर/नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के एक पूर्व कांग्रेस सांसद से जुड़े कथित सहकारी बैंक कर्ज 'धोखाधड़ी' से जुड़ी धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में बृहस्पतिवार को पहली बार इस केंद्र शासित प्रदेश में छापे मारे।

सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसी के अधिकारियों ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत पोर्ट ब्लेयर और उसके आसपास के नौ स्थानों और कोलकाता में दो जगहों पर छापेमारी की। उन्होंने बताया कि यह पहली बार है जब एजेंसी ने बंगाल की खाड़ी में स्थित इस केंद्र शासित प्रदेश में धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत छापेमारी की है।

यह मामला अंडमान निकोबार राज्य सहकारी बैंक (एएनएससीबी) और उसके पूर्व उपाध्यक्ष कुलदीप राय शर्मा से संबंधित है। कांग्रेस नेता शर्मा (57) इस केंद्र शासित प्रदेश के पूर्व सांसद (2019-24) हैं।

अंडमान और निकोबार पुलिस ने मामले की जांच के सिलसिले में एक स्थानीय अस्पताल से 18 जुलाई को उन्हें गिरफ्तार किया था। पोर्ट ब्लेयर में एक अदालत ने उन्हें 29 जुलाई को तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया था।

तो फिर मालेगांव विस्फोट का असली जिम्मेदार कौन : आजमी

मुंबई/भाषा। मालेगांव में 2008 में हुए विस्फोट मामले में पीड़ित परिवारों की मदद करने वाले एक संगठन ने सात आरोपियों को बरी किए जाने के फैसले पर नाराजगी व्यक्त की और जानना चाहा कि अगर वे लोग इस कृत्य में शामिल नहीं थे तो इसके लिए कौन जिम्मेदार था। संगठन ने यह भी कहा कि अदालत का फैसला घटना में मारे गए लोगों को न्याय दिलाने में विफल रहा है।

मुंबई से लगभग 200 किलोमीटर दूर मालेगांव शहर में 29 सितंबर 2008 को एक मस्जिद के पास एक मोटरसाइकिल में लगाए गए विस्फोटक उपकरण में विस्फोट होने से छह लोगों की मौत हो गई थी और 101 अन्य लोग घायल हो गए थे। विस्फोट के लगभग 17 साल बाद मुंबई की एक विशेष अदालत ने भारतीय जनता पर्टी (भाजपा) की पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित सभी सातों आरोपियों को बृहस्पतिवार को बरी करते हुए कहा कि उनके खिलाफ 'कोई विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं' है। 'पीटीआई-भाषा' से बात करते हुए, कुल जमात-ए-तंज़ीम संगठन के प्रभारी फिरोज अहमद आजमी ने कहा, मालेगांव विस्फोट मामले में अदालत के फैसले ने हमें स्तब्ध कर दिया है, क्योंकि मरने वालों को न्याय नहीं मिला। उन्होंने कहा, मालेगांव में 2006 में हुए बम धमाकों के बाद, हमने हमेशा एजेंसियों से सही दिशा में काम करने की मांग की थी और 2008 के विस्फोट के बाद महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) के तत्कालीन प्रमुख हेमंत करकरे ने उचित जांच की तथा इन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ। उन्होंने इन लोगों के खिलाफ सभी सबूत भी पेश किए। आज़मी ने कहा, जांच सही दिशा में हो रही थी, जिससे हम खुश थे। एजेंसियां पिछले 17 सालों से काम कर रही थीं, इसलिए उनके पास ज़रूर मज़बूत सबूत रहे होंगे।

पहला मुद्दा यह है कि रोहिंग्या शरणार्थी हैं या अवैध घुसपैठिये : उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि रोहिंग्याओं से संबंधित मामलों के निपटारे में पहला महत्वपूर्ण मुद्दा यह है कि वे शरणार्थी हैं या अवैध घुसपैठिए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि एक बार यह तय हो जाने के बाद अन्य मुद्दे भी अनुवर्ती हो सकते हैं। पीठ ने देश में रोहिंग्याओं से जुड़ी कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, पहला महत्वपूर्ण मुद्दा सरल है, क्या वे शरणार्थी हैं या अवैध रूप से प्रवेश करने वाले घुसपैठिये। पीठ ने रोहिंग्याओं से जुड़ी याचिकाओं में उसके विचार योग्य व्यापक मुद्दों पर गौर किया। उसने पूछा, क्या रोहिंग्या शरणार्थी घोषित किए जाने के हकदार हैं? अगर हां, तो उन्हें कौन-सी सुरक्षा, विशेषाधिकार या अधिकार हासिल हैं? पीठ ने कहा कि दूसरा मुद्दा यह है कि अगर रोहिंग्या शरणार्थी नहीं हैं और अवैध रूप से प्रवेश करने वाले घुसपैठिये हैं, तो क्या उन्हें निर्वासित करने की केंद्र और राज्य सरकारों की कार्रवाई उचित थी। उसने सवाल किया, अगर रोहिंग्याओं को अवैध घुसपैठिया माना भी गया है, तो क्या उन्हें अनिश्चित काल तक हिरासत में रखा जा सकता है या फिर उन्हें जमानत पर रिहा किया जा सकता है, बशर्ते कि अदालत उन पर ऐसी शर्तें लगाए, जिन्हें वह उचित समझे? पीठ ने कहा कि याचिकाओं में उठाया गया एक अन्य मुद्दा यह है कि क्या उन रोहिंग्याओं को, जिन्हें हिरासत में नहीं लिया गया है और जो शरणार्थी शिविरों में रह रहे हैं, पेयजल, स्वच्छता और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं।

उसने कहा, अगर रोहिंग्या अवैध घुसपैठिये हैं, तो क्या भारत सरकार और राज्य सरकारें कानून के अनुसार उन्हें निर्वासित करने के लिए बाध्य हैं।

पीठ ने याचिकाओं को तीन समूहों में विभाजित किया, पहला-जो रोहिंग्याओं से संबंधित है, दूसरा-जो रोहिंग्याओं से जुड़े मुद्दों से संबंधित नहीं है और तीसरा-जो पूरी तरह से अलग मामले से संबंधित है। उसने कहा कि तीनों समूह की याचिकाओं का निर्धारण अलग-अलग किया जाएगा और उन पर सुनवाई हर बुधवार को की जाएगी। पीठ ने संकेत दिया कि जो लोग अवैध घुसपैठिए पाए गए हैं और उन्हें निर्वासित करने की राज्य की जिम्मेदारी के प्रश्न पर, अदालत केवल सिद्धांतों की रूपरेखा ही तय कर सकती है।

'भगवा आतंकवाद' के आख्यान को थोपने का कांग्रेस का प्रयास विफल हुआ : रघुबर दास

जमशेदपुर/भाषा। मालेगांव विस्फोट मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर (साध्वी प्रज्ञा) और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित सभी सात आरोपियों को बरी किए जाने के बाद भाजपा के वरिष्ठ नेता रघुबर दास ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'भगवा आतंकवाद' के आख्यान को थोपने का कांग्रेस का प्रयास विफल हो गया है।

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री दास ने मालेगांव विस्फोट मामले में अदालत का फैसला आने के तुरंत बाद सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, मालेगांव विस्फोट मामले में साध्वी प्रज्ञा, कर्नल पुरोहित समेत अन्य लोगों का बरी होना कांग्रेस सरकार के कुकृत्यों पर जोरदार तमाचा है। इसके साथ ही 'भगवा आतंकवाद' के आख्यान को थोपने का कांग्रेस का प्रयास विफल हो गया है। उन्होंने लिखा, कल ही (संसद के) उच्च सदन में माननीय गृहमंत्री अमित शाह जी ने स्पष्ट कहा था कि हिंदू कभी आतंकवादी नहीं हो सकता है। अदालत का आज का फैसला इसी बात पर मुहर लगाता है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों को इसका जवाब देना होगा कि उन्होंने 'वोट बैंक' की राजनीति के लिए हिंदुओं को बदनाम क्यों किया? मालेगांव विस्फोट मामले में झूठे आरोप लगाकर की गई प्रताड़ना का भी जवाब देना होगा।

प्रधानमंत्री मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोपी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बलरामपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले के पचपेड़वा क्षेत्र में पुलिस ने प्रधानमंत्री और एक समुदाय के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने बृहस्पतिवार को बताया कि पचपेड़वा थाने में मिथिलेश कुमार के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी के बाद उसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और एक समुदाय विशेष पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि मिथिलेश कुमार एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर चैनल चलाता है और खुद को पत्रकार बताता है। बहरहाल, मामले की जांच की जा रही है।

बस अपने प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश कर रही थी : ग्रैंडमास्टर दिव्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख ने कहा है कि हमवतन कोनेरू हम्पी के खिलाफ फिडे महिला विश्व कप फाइनल खेलते समय उन पर किसी भी तरह का दबाव नहीं था क्योंकि उनके पास खोने के लिए कुछ नहीं था। दिव्या जॉर्जिया के बातुमी से यहां पहुंचीं और विश्व चैंपियन के तौर पर उनका भव्य स्वागत किया गया।

हवाई अड्डे पर लोगों द्वारा दिखाए गए स्नेह से यह युवा खिलाड़ी अभिभूत थी। उन्नीस साल की दिव्या ने दो बार की विश्व रैपिड चैंपियन 38 वर्षीय हम्पी को दो क्लासिकल दौर के ड्रॉ रहने के बाद समय-नियंत्रित टाई-ब्रेक में हराया। यह दिव्या के करियर की सबसे बड़ी सफलता रही। दिव्या से जब पूछा गया कि क्या वह फाइनल में दबाव में थीं तो उन्होंने 'पीटीआई वीडियोज' से कहा, मुझे नहीं लगा कि मैं मुश्किल में थी। मुझे लगता है कि उन्होंने (हम्पी) जो आखिरी गलती की, उसी ने मुझे जीत दिलाई। उन्होंने कहा, मैं सिर्फ अपने प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश कर रही थी। मैं किसी और चीज के बारे में नहीं सोच रही थी। दिव्या ने इस प्रतियोगिता में एक छुपीरुस्तम के तौर पर प्रवेश किया था और उनका लक्ष्य ग्रैंडमास्टर नॉर्म

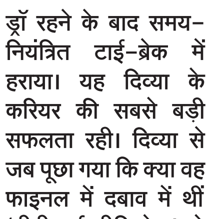

जीतने का था और आखिरकार वह ग्रैंडमास्टर बन गईं। दिव्या ने सिर्फ ग्रैंडमास्टर नॉर्म ही नहीं हासिल किया बल्कि टूर्नामेंट भी जीत लिया और अगले साल के कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में भी जगह पक्की की। साथ ही 50,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि भी हासिल की। इस खिलाड़ी को उम्मीद है कि उनकी सफलता के बाद भारत में महिला शतरंज काफी लोकप्रिय होगा। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि इस सफलता के बाद महिलाएं विशेषकर युवा खिलाड़ी इस खेल को बड़े पैमाने पर अपनाएंगी और सपना देखना शुरू करेंगी कि कुछ भी असंभव नहीं है।

दिव्या ने कहा, मेरे पास युवा पीढ़ी के लिए नहीं बल्कि उनके माता-पिता के लिए संदेश है कि उन्हें अपने बच्चों का पूरे दिल से समर्थन करना चाहिए क्योंकि उन्हें सफलता के समय उतनी नहीं, अपनी असफलताओं के दौरान उनकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है। बुधवार रात हवाई अड्डे पर पहुंचने पर दिव्या ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता को दिया। उन्होंने कहा, मेरे माता-पिता ने मेरे करियर में सबसे अहम भूमिका निभाई है। उनके बिना मैं यहां तक नहीं पहुंच पाती। इस जीत का श्रेय मेरे परिवार, मेरे माता-पिता, मेरी बहन और मेरे पहले कोच राहुल जोशी सर को जाता है क्योंकि वह हमेशा चाहते थे कि मैं ग्रैंडमास्टर बनूं और यह उनके लिए है।

एअर इंडिया का यात्री दिल्ली उतरने के बजाय भुवनेश्वर पहुंचा, जांच शुरू

नई दिल्ली/भाषा। एअर इंडिया एक्सप्रेस का एक यात्री, जिसे बुधवार को दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरना था, उसने अनजाने में उसी विमान से यात्रा जारी रखी और भुवनेश्वर पहुंच गया। विमानन कंपनी ने कहा कि वह किसी भी चूक का पता लगाने के लिए मामले की जांच कर रही है। एक सूत्र ने बताया कि उक्त यात्री ने श्रीनगर से दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन वह राष्ट्रीय राजधानी में उतरने के बजाय विमान में सवार रहा और भुवनेश्वर पहुंच गया। सूत्र के मुताबिक, दिल्ली और भुवनेश्वर तक की उड़ान सेवाएं एक ही विमान से संचालित की गई थीं। उसने बताया कि विमानन कंपनी को घटना के बारे में तब चला, जब उक्त यात्री ने चालक दल को इसकी जानकारी दी। यात्री और विमान के बारे में विशिष्ट जानकारी तत्काल नहीं मिल सकी है। वहीं, एअर इंडिया एक्सप्रेस ने एक बयान में कहा कि 30 जुलाई को दिल्ली तक की उड़ान में सवार एक यात्री अनजाने में विमान में सवार रहा और उससे संचालित अगली उड़ान से भुवनेश्वर पहुंच गया। कंपनी ने कहा, किसी भी चूक का पता लगाने और उसे दूर करने के लिए आंतरिक जांच की जा रही है।

सुविचार

जो व्यक्ति समस्याओं के समाधान खोजता है, वही सफलताओं की चाबी हासिल करता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ग्रंथों का सम्मान: कानून और सरकारी जिम्मेदारी

पंजाब विधानसभा की प्रवर समिति ने 'बेअदबी विरोधी विधेयक' के संबंध में जनता से जो सुझाव मांगे हैं, उन पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। इस विधेयक में धार्मिक ग्रंथों के खिलाफ अपवित्र कृत्य करने वालों के लिए 10 साल से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान है। दोषी व्यक्ति पर 5 लाख रुपए से लेकर 10 लाख रुपए तक जुर्माना लगाया जा सकता है। 'बेअदबी विरोधी विधेयक' गुरुग्रंथ साहिब, भगवद्गीता, बाइबिल और कुरान समेत सभी पवित्र धर्मग्रंथों का सम्मान सुनिश्चित करने की बात कहता है, जो सराहनीय है। एक सभ्य समाज का निर्माण करने के लिए जरूरी है कि वहां सबकी आस्था का सम्मान किया जाए, सभी धर्मग्रंथों के प्रति आदर को बढ़ावा दिया जाए। ऐसी कई घटनाएं हुई हैं, जब किसी ने आवेश में आकर या जानबूझकर अभद्र टिप्पणी की, जिससे लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची और मामले में खतरनाक मोड़ आ गया। देश में कहीं भी ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए सरकारों को कानूनी उपाय करने चाहिएं। साथ ही, इन कानूनों के दूसरे पहलू को जरूर देखना चाहिए। पाकिस्तान में इससे मिलता-जुलता कानून पहले से मौजूद है, जो आज अत्यंत घातक रूप ले चुका है। उसने लोगों में इतनी कट्टरता भर दी है कि अब कोई नेता, जज, यहां तक कि सेना प्रमुख भी उस पर टिप्पणी करने से परहेज करते हैं। पाकिस्तान के तत्कालीन तानाशाह जनरल जिया-उल-हक ने वर्ष 1980 से 1986 के बीच ईशनिंदा कानून को 'संशोधित' कर उसे इतना ज्यादा सख्त बना दिया था कि आज वह लोगों के लिए गले का फंदा बन चुका है। इस कानून का सबसे ज्यादा 'प्रकोप' भी पाकिस्तानी पंजाब में है।

तीन दिसंबर, 2021 को पाकिस्तानी पंजाब के सियालकोट में एक श्रीलंकाई मैनेजर प्रियंथा कुमारा को ईशनिंदा के आरोप में उग्र भीड़ ने बुरी तरह पीटा और बाद में जिंदा जला दिया था। वहां ईशनिंदा के एक और बहुचर्चित मामले का संबंध भी पंजाब से है। आसिया बीबी नामक महिला को पाकिस्तानी उच्चतम न्यायालय ने जब निर्दोष घोषित किया तो पूरे मुल्क में हिंसा छिड़ गई थी। आसिया को अपनी जान बचाकर विदेश में शरण लेनी पड़ी। इससे पहले, पाकिस्तानी पंजाब के राज्यपाल सलमान तासीर ने जब ईशनिंदा कानून के दुरुपयोग पर चिंता जताई तो उनके ही अंगरक्षक ने उनकी हत्या कर दी थी। इस कानून के सख्त प्रावधानों ने पूरे पाकिस्तान में ऐसा माहौल बना दिया है कि अफवाह सुनकर भीड़ अचानक भड़क उठती है और देखते ही देखते उस व्यक्ति को मौत के घाट उतार देती है। ऐसे भी मामले आए हैं, जब बॉस से नाराज कर्मचारी ने उस पर ईशनिंदा का झूठा आरोप लगाकर हत्या कर दी। किसी को पड़ोसी की जमीन पर कब्जा करना था तो उसने ईशनिंदा की झूठी एफआईआर लिखवा दी। किसी के प्रेम संबंधों में कड़वाहट आ गई तो ईशनिंदा का झूठा आरोप लगाकर जेल भिजवा दिया। यही नहीं, वहां साइबर अपराधियों के ऐसे गिरोह बन चुके हैं, जो लोगों से ऑनलाइन दोस्ती करते हैं, उसके बाद उनसे बातचीत करते हुए ऐसी टिप्पणी करने के लिए उकसाते हैं, जो ईशनिंदा कानून के दायरे में आए। वह व्यक्ति जैसे ही टिप्पणी करता है, साइबर अपराधी उसका स्क्रीनशॉट लेकर धमकी देते हैं कि 'हमारे पास आपके खिलाफ सबूत है। अगर अपनी जान सलामत चाहते हैं तो हमें रुपए भेजें।' पाकिस्तान में किसी ने सोचा नहीं होगा कि ईशनिंदा कानून का दुरुपयोग इतना खतरनाक हो सकता है! पंजाब सरकार जब 'बेअदबी विरोधी विधेयक' पर चर्चा करे तो इस पहलू को जरूर ध्यान में रखे। इस राज्य ने अशांति का दौर देखा है। कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन जैसे देशों में बैठे खालिस्तान समर्थक तत्त्व भड़काऊ बयानबाजी करते रहते हैं। उन्हें आईएसआई से समर्थन मिलता है। पंजाब सरकार कानून बनाने से पहले यह सुनिश्चित करे कि देशविरोधी एवं शांतिविरोधी ताकतें उसका दुरुपयोग न कर पाएं।

ट्वीटर टॉक

मां भारती के अमर सपूत शहीद सरदार उधम सिंह जी को उनके बलिदान दिवस पर शत-शत नमन। आपका अद्वितीय साहस, मातृभूमि के लिए त्याग और वीरता का यह गौरवपूर्ण अध्याय आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति की सच्ची राह दिखाता रहेगा।

-वसुंधरा राजे

राष्ट्र सेविका समिति की चतुर्थ प्रमुख संचालिका, परम आदरणीया प्रमिलताई जी के देहावसान का समाचार अत्यंत दुखदायी है। उनका त्याग, समर्पण और सरल जीवन उच्च विचारों की प्रतिमूर्ति था। उनकी प्रेरणा हम सभी को सदैव मार्गदर्शन प्रदान करती रहेगी।

-दीया कुमारी

कांग्रेस पार्टी ने अपनी तुष्टिकरण की राजनीति के तहत हिंदुओं को बदनाम करने के लिए 'हिंदू टेरर' जैसा आपत्तिजनक शब्द गढ़ा था। इस भ्रामक अवधारणा से न केवल सनातन धर्म की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया गया, बल्कि निर्दोष साधु-संतों और धर्मगुरुओं को भी निशाना बनाया गया।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

विवेक से संतुलन

एक बार एक युवा शिष्य ने अपने गुरु से पूछा, 'गुरुदेव, जीवन में सही निर्णय कैसे लें? भावनाएं अक्सर भटका देती हैं।' गुरु मुस्कुराए और उसे बांसवाड़ी की ओर ले गए। वहां उन्होंने एक सूखा बांस दिखाया और कहा, 'देखो, यह बांस अब उपयोगी नहीं है। इसे काटकर बांसुरी बनाई जाएगी। लेकिन एक बात सोचोक्या हर बांस से बांसुरी बनती है?' शिष्य ने कहा, 'नहीं गुरुदेव, केवल वह बांस चुना जाता है जो सीधा, खोखला और संतुलित हो।'

गुरु बोले, 'ठीक इसी तरह, जब तुम किसी निर्णय पर पहुंचने की स्थिति में होते हो, तो तुम्हें भीतर से खोखला, यानी पूर्वाग्रहहीन होना चाहिए। सीधा, यानी ईमानदार और संतुलित, यानी भावनाओं और तर्क के बीच संतुलन बनाए रखना चाहिए। तभी निर्णय शुद्ध स्वर देगा, ठीक जैसे बांसुरी में सटीक ध्वनि होती है।' गुरु ने कहा, 'भावनाएं महत्वपूर्ण हैं, पर यदि वे निर्णय पर हावी हो जाएं, तो वे उसे विकृत कर सकती हैं। तर्क दिशा देता है, भावना ऊर्जा और दोनों का संतुलन ही सच्चा विवेक है।'

सामयिक

ट्रंप भारत को अपना मित्र मानते हैं। लेकिन यह कैसी मित्रता है, जिसमें ट्रंप को भारत के गरीबों, किसानों, मजदूरों की कोई चिंता नहीं है। लेकिन मोदी की विदेश नीति में भी अमेरिका के साथ 'मित्रता' है, लेकिन आत्मगौरव की कीमत पर नहीं'। वे संवाद और दृढ़ता-दोनों का प्रयोग करते हैं। दबाव की राजनीति से न तो भारत झुकेगा, न रुकेगा। ट्रंप का टैरिफ हो या कोई और वैश्विक चुनौती, मोदी का भारत हर संकट में अवसर खोजता है।

टैरिफ आर्थिक युद्ध नहीं, आत्मनिर्भर शांति का रास्ता बने

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

जब किसी वैश्विक ताक़त के शिखर पर बैठा नेता 'व्यापार' को भी 'सौदेबाज़ी' और 'दबाव नीति' का औज़ार बना ले, तब यह न केवल वैश्विक अर्थव्यवस्था को झकझोर देता है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों के आधारभूत सिद्धांतों को भी चुनौती देता है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाकर ऐसा ही एक आर्थिक आघात पहुँचाया है। इस टैरिफ का लक्ष्य स्पष्ट है, भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धा को बाधित करना और अमेरिकी वर्चस्व की पुनः स्थापना करना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य एवं भारत की उभरती अर्थव्यवस्था में अमेरिका की 'ट्रंपीय' दादागिरी, एवं टैरिफ का तात्कालिक और दीर्घकालिक प्रभाव कितना क्या असर दिखायेगी, यह भविष्य के गर्भ में हैं। लेकिन इस सन्दर्भ में भारत सरकार की दृढ़ता सराहनीय है। अमेरिका हमारा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा है, दोनों का द्विपक्षीय व्यापार 2024 में 190 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। ट्रंप और मोदी ने इस आंकड़े को दोगुना से भी ज्यादा 500 अरब डॉलर करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन उस लक्ष्य पर सवालिया निशान लग गए हैं। ऐसे में, भारतीय कंपनियों को बहुत संभलकर अपने लिए नए बाजार खोजने व बढ़ाने चाहिए।

भारत की अर्थव्यवस्था अब दुनिया की सबसे तेज़ गति से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में है। मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया जैसे अभियानों ने भारत को उत्पादन और नवाचार का नया केंद्र बनाया है। भारत का टेक्सटाइल, स्टील, ऑटो पार्ट्स और आईटी सेवा क्षेत्र वैश्विक बाज़ार में निरंतर अपनी पकड़ मज़बूत कर रहे हैं। ऐसे में अमेरिका द्वारा टैरिफ थोपना भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिस्पर्धा से उपजे भय का संकेत है। लेकिन यह निर्णय केवल व्यापारिक नहीं, बल्कि रणनीतिक भी है। ट्रंप प्रशासन हमेशा से ही व्यापार संतुलन के मुद्दे को राष्ट्रीय गौरव से जोड़कर देखता रहा है। 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति का मुख्य हथियार रहा है, दूसरों को पीछे धकेलकर अमेरिका को आगे लाना। यह एकतरफा सोच व्यापार के मूल्यों और साझेदारी की भावना को कमजोर करती है। व्यापार समझौते पर 1 अगस्त की समय सीमा तक दोनों देशों के बीच जारी बातचीत किसी नतीजे पर न पहुंचने का बड़ा कारण भारत का अमेरिका की शर्तों पर समझौता करने के लिए तैयार नहीं होना रहा है। उसे आगे भी तैयार नहीं होना चाहिए। इसका कोई मतलब नहीं कि भारत अमेरिका से ऐसा व्यापार समझौता कर ले, जो केवल उसके हित में हो।

इस तरह के समझौते तो तभी हो पाते हैं, जब दोनों पक्षों के हित सधते हैं। भारत को अपने हितों की रक्षा के लिए अडिग रहना चाहिए और यह स्पष्ट करने में संकोच भी नहीं करना चाहिए कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति के अनुचित दबाव के आगे झुकने वाला नहीं। भारत को ट्रंप के मनमाने फैसलों से डरने की आवश्यकता इसलिए भी नहीं, क्योंकि वे अपने फैसलों से पीछे हटने और उन्हें पलटने के लिए जाने जाते हैं। उनके इस रवैये के कारण उनकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फजीहत भी हो रही है। उन्हें यह समझ आ जाए तो अच्छा कि आज का भारत पहले वाला भारत नहीं है और अमेरिका का भी प्रभाव पहले जैसा नहीं रहा।

डोनाल्ड ट्रंप की नीति अक्सर 'दबाव डालो और झुकावो' पर आधारित रही है। चीन, यूरोप, मैक्सिको के साथ भी ट्रंप की व्यापार नीति टकरावपूर्ण रही है। लेकिन भारत, ऐतिहासिक रूप से संतुलन साधने वाली कूटनीति में विश्वास करता रहा है। भारत ने कई बार वार्ता के माध्यम से समझौते की दिशा में पहल की, लेकिन ट्रंप की आक्रामक नीति और 'डीलमेकिंग' की व्यक्तिगत शैली ने किसी संतुलन को बनने नहीं दिया। भारत पर लगाया गया 25 प्रतिशत टैरिफ न केवल आर्थिक रूप से अनुचित है, बल्कि यह उभरते राष्ट्रों के आत्मनिर्भर बनने के अधिकार का भी हनन है। यह नव-उपनिवेशवाद का नया रूप है, जहाँ आर्थिक हथियारों से शक्तिशाली राष्ट्र, विकासशील देशों को नियंत्रित करना चाहते हैं। राष्ट्रपति ने भारत पर टैरिफ बढ़ाने और जुर्माना लगाने की जो घोषणा की, वह उनकी दबाव की राजनीति का ही हिस्सा है। इस राजनीति की पोल खुल चुकी है। अच्छा होगा कि इसे देश के विपक्षी दल भी समझें।

इसलिए और भी समझें कि संसद में आपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने साफ तौर पर कहा कि सैन्य कार्रवाई को स्थगित किए जाने के सिलसिले में विश्व के किसी भी नेता की कहीं कोई भूमिका नहीं। स्पष्ट है कि भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई को कथित तौर पर रोकने का ट्रंप का दावा फर्जी है। वास्तव में इसी कारण वे अपने इस थोथे दावे को बार-बार दोहरा रहे हैं।

आज का भारत न केवल एक विशाल बाज़ार है, बल्कि एक नवाचारशील शक्ति भी है। दुनिया की सबसे बड़ी युवा जनसंख्या, तेज़ी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था, और विविधता से समृद्ध उत्पादन क्षमता भारत को वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की ओर अग्रसर कर रही है। भारत अब निर्भरता की नीति से निकलकर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। ट्रंप के टैरिफ का प्रभाव सीमित और अस्थायी होगा, लेकिन भारत की आर्थिक विकास यात्रा दीर्घकालिक और दृढ़ है।

भारत के लिए यह चुनौती अवसर में बदलने का समय है, नए बाज़ारों की तलाश, घरेलू उत्पादन को और सशक्त बनाना, और वैश्विक साझेदारियों को नए रूप में ढालना। ट्रंप की दादागिरी भारत को झुका नहीं सकती। बल्कि यह भारत को और मज़बूत और आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दे सकती है। यह समय है जब भारत को अपने उत्पादन, नवाचार, निर्यात और कूटनीति को और धार देने की आवश्यकता है। हमें यह समझना होगा कि शक्ति का उत्तर शक्ति से नहीं, दूरदृष्टि और नीति से दिया जाना चाहिए। ट्रंप का टैरिफ एक चुनौती है, लेकिन भारत की आत्मा में संघर्ष से जीतने का इतिहास है। हमने हर संकट को अवसर में बदला है, और इस बार भी हम यही करेंगे, न केवल अपनी अर्थव्यवस्था के लिए, बल्कि वैश्विक आर्थिक संतुलन के लिए भी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आर्थिक चिंतन मूलतः 'आत्मनिर्भर भारत', 'विकास के साथ विश्वास', और 'समान साझेदारी' के सिद्धांतों पर आधारित रहा है। वे वैश्विक मंच पर भारत को एक समानाधिकार संपन्न राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत करते हैं, न कि किसी बड़े राष्ट्र की कृपा पर चलने वाली व्यवस्था के रूप में। जब डोनाल्ड ट्रंप जैसे नेता भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ का प्रहार करते हैं, तो नरेंद्र मोदी की सोच विरोध नहीं, विकल्प पर आधारित होती है। वे इस तरह के दबावों को एक नई दिशा में सोचने और घरेलू उत्पादन एवं वैश्विक विविधीकरण का अवसर मानते हैं। टैरिफ वार के उत्तर में मोदी की प्रतिक्रिया सकारात्मक ही होती हुई दिख रही है, वे ट्रंप के टैरिफ से प्रभावित क्षेत्रों जैसे स्टील, ऑटो पार्ट्स, टेक्सटाइल को सरकारी सब्सिडी, टैक्स रियायत और तकनीकी समर्थन के ज़रिए बल दे सकते हैं। अमेरिका के अतिरिक्त यूरोप, दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे नए बाज़ारों में भारत अपनी पकड़ को और मज़बूत करते हुए इस टैरिफ से उत्पन्न संकट को संतुलित कर सकता है।

ट्रंप भारत को अपना मित्र मानते हैं। लेकिन यह कैसी मित्रता है, जिसमें ट्रंप को भारत के गरीबों, किसानों, मजदूरों की कोई चिंता नहीं है। लेकिन मोदी की विदेश नीति में भी अमेरिका के साथ 'मित्रता' है, लेकिन आत्मगौरव की कीमत पर नहीं'। वे संवाद और दृढ़ता-दोनों का प्रयोग करते हैं। दबाव की राजनीति से न तो भारत झुकेगा, न रुकेगा। ट्रंप का टैरिफ हो या कोई और वैश्विक चुनौती, मोदी का भारत हर संकट में अवसर खोजता है। मोदी की आर्थिक दृष्टि एवं नीतियां किसी बाहरी राष्ट्र के मनोनुकूल नहीं, बल्कि भारत की आवश्यकताओं, संभावनाओं और स्वाभिमान के अनुरूप गढ़ी गई है। जब वैश्विक महाशक्तियां टैरिफ के हथियार से डराने लगें, तो समझो कि भारत की प्रतिस्पर्धा ने उन्हें असहज कर दिया है। मोदी इसे चुनौती नहीं, पहचान मानते हैं। मोदी कहते हैं-'लोकल को ग्लोबल बनाओ', और यही उनका उत्तर है हर टैरिफ, हर दबाव, हर चुनौती को। मोदी की अर्थनीति उद्यमशीलता को राष्ट्रनिर्माण से जोड़ती है। उनका आर्थिक चिंतन केवल विकास' नहीं, बल्कि स्वराज्य आधारित समावेशी आर्थिक स्वतंत्रता है। ट्रंप के टैरिफ की चुनौती को वे उसी तरह लेते हैं जैसे उन्होंने कोविड या ग्लोबल मंदी की ली थी-साहस, दूरदर्शिता और आत्मनिर्भरता के साथ।

नजरिया

समृद्धि की चिड़िया या शक्ति का शेर : देश की दिशा कौन तय करेगा?

अमरपाल सिंह वर्मा

भागवत का यह बयान दरअसल भारत की नई आकांक्षा का प्रतीक है। यह उस मानसिकता से बाहर आने की घोषणा है जो भारत को केवल वैभवशाली अतीत के रूप में देखती है। यह सही भी है। अब हमें अतीत को छोड़ भविष्य में जीने की तैयारी करनी ही चाहिए। यदि भारत एक शक्तिशाली, विवेकशील और आत्म निर्भर 'शेर' के रूप में खड़ा होगा तो सिर्फ उसकी समृद्धि और बढ़ेगी बल्कि उसके वैश्विक सम्मान और प्रभाव में भी उत्तरोत्तर बढ़ोतरी होगी। सिर्फ देश की समृद्धि ही नहीं, सुरक्षा भी जरूरी है। हम अतीत के स्वर्ण युग की छाया में वर्तमान की चुनौतियों को अनदेखा नहीं कर सकते।

क्या भारत को फिर से 'सोने की चिड़िया' बनाने की बात अब अप्रासंगिक हो गई है? आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कोच्चि में आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन में अपने भाषण में स्पष्ट रूप से जो कुछ कहा है, उसी से यह प्रश्न उठा है। उन्होंने कहा है कि भारत को अब अतीत की 'सोने की चिड़िया' नहीं, बल्कि 'शेर' बनना चाहिए, क्योंकि दुनिया आदर्शों का नहीं, ताकत का सम्मान करती है।

संघ प्रमुख का यह वक्तव्य केवल संघ के कार्यकर्ताओं के लिए ही नहीं है बल्कि नीति-निर्माताओं, शिक्षा विदों और आम नागरिकों तक पहुंचाया गया एक वैचारिक सन्देश है। भागवत के बयान से कई प्रश्न उठते हैं। क्या अब देश को फिर से सोने की चिड़िया बनने की सोच अपर्याप्त हो गई है? और यदि भारत को 'शेर' बनना है तो इसके मायने क्या हैं? देश की दिशा किससे तय होगी- समृद्धि की चिड़िया से या शक्ति के शेर से?

भारत को सोने की चिड़िया कहा जाना उसके ऐतिहासिक आर्थिक और सांस्कृतिक वैभव का प्रतीक है। उस काल में हमारा देश व्यापार, शिल्प, शिक्षा और दर्शन में अग्रणी था लेकिन भारत का यह वैभव सामरिक दृष्टि से असुरक्षित था जिसका पणिाम अनेक विदेशी आक्रमणों और अंग्रेजों की गुलामी के रूप में निकला। ऐसे में मौजूदा दौर में भागवत देश को सिर्फ 'सोने की चिड़िया' बनाने के पक्ष में नजर नहीं आते हैं। हमारे लिए 'सोने की चिड़िया' गौरवशाली अतीत की स्मृति तो हो सकती है पर यह अपने आप में पूर्ण भविष्य की दिशा नहीं हो सकती। भागवत के इस कथन में केवल एक प्रतीकात्मक बदलाव की वकालत नहीं है बल्कि भारत की सामूहिक चेतना को नए युग के लिए तैयार करने का संदेश है। यह वक्तव्य प्रतीकात्मक भाषा में एक गहन वैचारिक परिवर्तन का आह्वान करता प्रतीत हो रहा है। भागवत का यह कहना कि भारत अब शेर बने, न कि चिड़िया, इसमें एक शक्तिशाली राष्ट्र की परिकल्पना है। यहां 'शेर' से अभिप्राय सिर्फ एक वन्य जीव से नहीं है बल्कि यह एक ऐसी राष्ट्रीय मानसिकता का प्रतीक है जो शक्तिशाली हो, आत्मनिर्भर हो, निर्णायक हो और अपने क्षेत्र की रक्षा कर सकने में सक्षम हो। इस संदेश से साफ है कि संघ ऐसा देश चाहता है जो हर चुनौती का सामना करने को सदैव तैयार हो। यकीनन, यह महत्वाकांक्षा ऑपरेशन सिंदूर की सफलता से पैदा हुई है। यानी जो देश में जो हौसला ऑपरेशन सिंदूर से उपजा है, वह निरंतर बढ़ना चाहिए। भागवत ने इंडिया बनाम भारत की भी बात की है। उनका कहना है कि जब तक हम अपने नाम, भाषा और विचारों में आत्मगौरव नहीं लाएंगे, तब तक दुनिया से सम्मान पाने की उम्मीद अधूरी रहेगी।

संघ प्रमुख ने जो कुछ कहा है, उसमें अप्रत्यक्ष रूप से सरकार के लिए भी एक सन्देश है। हाल के सालों में भारत ने डिजिटल क्रांति, अंतरिक्ष विज्ञान, वैश्विक मंचों पर भागीदारी और रक्षा क्षेत्र में आत्म निर्भरता जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए हैं परंतु भागवत चाहते हैं कि भारत को और अधिक निर्णायक, स्पष्ट और तेज गति से आगे बढ़ना चाहिए। भारत को केवल 'विकासशील' नहीं बल्कि 'दिशा देने वाला' देश बनना है।

शेर बनने का अर्थ केवल सैन्य शक्ति बढ़ाने तक सीमित नहीं है। यह एक समग्र दृष्टिकोण है जिसमें शिक्षा, प्रौद्योगिकी, सांस्कृतिक आत्म विश्वास और वैश्विक रणनीति सब कुछ शामिल हैं। भागवत ने यह बातें शिक्षा विदों के सम्मेलन में कहीं हैं, इसलिए यह संदेश केवल सरकार या संघ कार्यकर्ताओं तक सीमित नहीं है। यह संदेश देश के हर नागरिक के लिए है और उनसे देश को सामथ्र्यवान बनाने में योगदान का आह्वान है।

देश का पुराना आर्थिक वैभव लौटे, संघ के लिए यह आज भी महत्वपूर्ण है लेकिन अब वह इतने मात्र से संतुष्ट नहीं है। वह इसमें 'शेर' जैसी शक्ति, साहस और रणनीति का समावेश करना चाहता है। भागवत का यह बयान न केवल महत्वपूर्ण है बल्कि संघ आगामी लक्ष्यों की ओर भी इशारा करता है। भागवत का बयान संघ के लिहाज से भारत की भावी यात्रा की दिशा तय करने वाला है जो न केवल समृद्ध हो बल्कि ताकतवर, निर्णायक और आत्म विश्वास से लबरेज भी हो। संदेश साफ है कि सोने की चिड़िया बनकर हम आकर्षक भले लगें लेकिन 'शेर' बनकर ही हम सुरक्षित और सम्मानित रह सकते हैं।

भागवत का यह बयान दरअसल भारत की नई आकांक्षा का प्रतीक है। यह उस मानसिकता से बाहर आने की घोषणा है जो भारत को केवल वैभवशाली अतीत के रूप में देखती है। यह सही भी है। अब हमें अतीत को छोड़ भविष्य में जीने की तैयारी करनी ही चाहिए। यदि भारत एक शक्तिशाली, विवेकशील और आत्म निर्भर 'शेर' के रूप में खड़ा होगा तो सिर्फ उसकी समृद्धि और बढ़ेगी बल्कि उसके वैश्विक सम्मान और प्रभाव में भी उत्तरोत्तर बढ़ोतरी होगी। सिर्फ देश की समृद्धि ही नहीं, सुरक्षा भी जरूरी है। हम अतीत के स्वर्ण युग की छाया में वर्तमान की चुनौतियों को अनदेखा नहीं कर सकते।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

महोत्सव

पटना महिला कॉलेज की छात्राएँ गुरुवार को पटना में श्रावणी महोत्सव मनाती हुई।

संसद से विपक्ष का बहिर्गमन सरकार की मदद करता है: गुलाम नबी आजाद

श्रीनगर/भाषा। पूर्व संसदीय कार्य मंत्री गुलाम नबी आजाद ने बृहस्पतिवार को कहा कि संसद को सुचारु रूप से चलने देना चाहिए, क्योंकि संसद की कार्यवाही के दौरान विपक्ष की अनुपस्थिति से सरकार को ही मदद मिलती है।

आजाद ने कहा, मैं सदन की कार्यवाही बाधित करने के खिलाफ हूं। अगर आप सदन को चलने नहीं देते, तो फिर आप चुनकर क्यों आते हैं? सदन में प्रवेश करने का मतलब है कि आप संसद में राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय और घरेलू मुद्दों और लोगों की समस्याओं को सरकार के सामने उठाएंगे।

आजाद की यह टिप्पणी राज्यसभा में विपक्षी दलों के हंगामे के बीच आई है, जिन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सदन में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस का जवाब नहीं देने और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मुद्दा नहीं उठाने देने का विरोध किया।

आजाद ने यहां संवाददाताओं से कहा, जब विपक्ष सदन से बहिर्गमन करता है तो सरकार खुश होती है क्योंकि तब वह आसानी से कानून पारित कर सकती है। इसलिए विपक्ष का बहिर्गमन सरकार की मदद करता है, वह उनका विरोध नहीं करता।

मनमोहन सिंह सरकार में मई 2004 से नवंबर 2005 तक संसदीय कार्य मंत्री रहे आजाद ने कहा कि वह हमेशा संसद के सुचारु संचालन के पक्षधर रहे हैं।

संसद में अपने पहले कार्यकाल को याद करते हुए आजाद ने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उन्हें संसद में विपक्षी नेताओं के भाषण में बाधा न डालने की सलाह दी थी। उन्होंने कहा, इंदिरा ने मुझे फोन किया और कहा कि आप संसद में बोलने आए हैं, हंगामा करने नहीं।

हिंदी भाषा भारतीयों को एक सूत्र में बांधती है

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (कार्यालय- 4) की बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 30 जुलाई को केंद्रीय विनिर्माणकारी प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएमटीआई) के सभागार में नराकास (का-4) की वर्ष 2025-26 की प्रथम बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक के दौरान सभा में सदस्य कार्यालयों के प्रमुख और हिंदी अधिकारी/संपर्क अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक की शुरुआत दीपप्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई। इस दौरान मंच पर अध्यक्ष, नराकास (का-4), बेंगलूरु, सदस्य कार्यालयों प्रमुख एवं वेंकटाचलम जी., मु.प्र.अ., सीएमटीआई उपस्थित थे। सलमा एम, प्रवर श्रेणी लिपिक, काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान ने मंच संचालन तथा मधुलिका, प्रशासनिक अधिकारी, आईसीटीएस ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। अनिल कुमार साहू, प्रभारी एवं सहायक निदेशक(ट/आ) केहिप्रसं एवं हिशियो ने हिंदी प्रशिक्षण से सम्बंधित विस्तृत जानकारी साझा की।

क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (दक्षिण) के उपनिदेशक राजभाषा अनिर्बान कुमार विश्वास ने कहा कि भारत सरकार राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने राजभाषा हिंदी से सारे संवैधानिक नियमों और अनुच्छेदों की व्याख्या के साथ उसके अनुपालन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। नराकास (का-4) के सदस्यों की हिंदी प्रगति रिपोर्टों की समीक्षा के साथ उनमे होने वाली त्रुटि के निवारण पर चर्चा भी किया। हिंदी में विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों का आयोजन करने वाले सदस्य कार्यालयों के सम्मान के साथ अपने अध्यक्षीय अभिभाषण में सीएमटीआई के निदेशक डॉ नागहनुमय्या ने कहा कि हम सभी तकनीकी और मीडिया के माध्यम से हिंदी को सीख सकते है। उन्होंने राजभाषा हिंदी व अन्य क्षेत्रीय भाषाओं के प्रचार-प्रसार के लिए सीएमटीआई से होने वाले हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

नराकास(का-4) के सदस्य सचिव राजभवन ने कहा कि हम सभी भारतीयों को हिंदी के साथ-साथ अन्य क्षेत्रीय भाषाओं को भी सीखनी चाहिए ताकि अन्य भारतीय भाषाओं का भी प्रचार-प्रसार हो सके। सीमा सुरक्षा बल फ्रंटियर मुख्यालय (विस) के उपमहानिरीक्षक अमरेन्द्र कुमार सिंह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी भाषा भारतीयों को एक सूत्र में बांधती है। उन्होंने कहा कि जब देश के विभिन्न राज्यों से जवान जब अर्धसैनिक बल में आते हैं तब सभी प्रशिक्षण के दौरान सभी अपनी-अपनी मातृभाषाओं में वार्तालाप करते है। लेकिन प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद सभी जवान केवल हिंदी में ही बातचीत करते है। सभी भारतीय भाषाएं बहुत ही समृद्ध हैं। सभी को हिंदी के साथ-साथ मौका मिले तो अन्य भारतीय भाषाओं को भी जरुर सीखना चाहिए। काफी बोर्ड के डॉ. अनुश्री पीएस ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

गुलामी के युग में भी भक्ति और शक्ति से तुलसीदास ने जाग्रत रखी जनचेतना : योगी

चित्रकूट (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीरामचरित मानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास को दिव्य आत्मा बताते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि उन्होंने प्रतिकार का मार्ग तलवार नहीं बल्कि रामलीला और रामचरितमानस के माध्यम से चुना। धार्मिक नगरी चित्रकूट में संत तुलसीदास के जयंती समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि इस 'दिव्य आत्मा' ने बाल्यावस्था में ही प्रभु श्रीराम के चरणों में स्वयं को समर्पित कर दिया। उस कालखंड में जब अकबर का साम्राज्य विस्तार पर था और दरबार में जगह पाने की होड़ थी तब तुलसीदास ने खुद को किसी दरबारी की सेवा में नहीं

बल्कि केवल प्रभु श्रीराम की भक्ति में समर्पित किया।

आदित्यनाथ ने कहा कि जब देश के राजे-रजवाड़े विदेशी आक्रांता की अधीनता स्वीकार कर रहे थे, उस समय तुलसीदास जैसे संत भक्ति और शक्ति के अद्भुत संगम के रूप में जनचेतना को जाग्रत कर रहे थे। उन्होंने प्रतिकार का मार्ग तलवार नहीं, रामलीला और रामचरितमानस को चुना। मुख्यमंत्री ने कहा, अकबर ने अपने शासन का एक उदार चेहरा प्रस्तुत किया, पर उसके पीछे की क्रूरता आज भी हमें दिखती है। संतों की परंपरा उस समय भी दृढ़तापूर्वक उसका प्रतिकार कर रही थी। मुख्यमंत्री ने इस कार्यक्रम में आमंत्रित किए जाने पर जगतगुरु रामभद्राचार्य और मुरारी बापू के प्रति कृतज्ञता प्रकट की। कार्यक्रम में रामकथा के प्रचारकों को तुलसी अवार्ड व रत्नावली अवार्ड से सम्मानित किया गया। आदित्यनाथ ने संतों को विवादों से जोड़ने वाले लोगों पर भी करारा प्रहार किया। उन्होंने किसी का नाम लिए बगैर कहा, कुछ लोग जानबूझकर पूज्य संतों को विवादित करने की कोशिश करते हैं। जिनका जीवन विवादित है, वही ऐसा करते हैं। वे लगातार विघ्न और बाधा खड़ी करने की कोशिश करेंगे, लेकिन हमें इसकी चिंता न करते हुए सनातन धर्म और भारत की समृद्ध विरासत की रक्षा के लिए एकजुट होकर प्रयास करना होगा।

'परम सुंदरी' का मोशन पोस्टर और पहला गाना रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म 'परम सुंदरी' के मेकर्स ने बुधवार को फिल्म का मोशन पोस्टर रिलीज कर बताया कि यह फिल्म कब सिनेमाघरों में रिलीज होगी। जाह्नवी कपूर, सिद्धार्थ मल्होत्रा और मैडॉक फिल्म्स ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, जिसमें फिल्म का मोशन पोस्टर शेयर किया गया है। पोस्टर में सिद्धार्थ मल्होत्रा एक शर्ट, जींस और कंधे पर बैग के साथ हैंडसम लुक में नजर आ रहे हैं। वहीं जाह्नवी कपूर एक पारंपरिक साड़ी में क्लासिकल डांस करती हुई दिखाई दे रही हैं। मोशन पोस्टर में दोनों कलाकार एक-दूसरे के रास्ते से गुजरते हुए नजर आते हैं, जिससे यह एक क्रॉस-कल्चरल (दो अलग संस्कृतियों के बीच) प्रेम कहानी लगती है। वहीं, मोशन पोस्टर के अंत में लिखा है, फिल्म दुनियाभर के सिनेमाघरों में 29 अगस्त 2025 को रिलीज होगी।

इसके साथ यह भी बताया गया कि फिल्म का पहला गाना 'परदेसीया' बुधवार को रिलीज हो गया है। वीडियो पोस्ट कर कैप्शन में लिखा, दिनेश विजान लेकर आ रहे हैं इस साल की सबसे अच्छी लव स्टोरी 'परम सुंदरी। 29 अगस्त को सिनेमाघरों में फिल्म रिलीज की जाएगी।

फिल्म 'परम सुंदरी' एक उत्तर भारतीय लड़के (जिसका किरदार सिद्धार्थ मल्होत्रा निभा रहे हैं) और एक दक्षिण भारतीय लड़की (जिसकी भूमिका जाह्नवी कपूर अदा कर रही हैं) की लव स्टोरी पर केंद्रित है। इस तरह यह एक उत्तर भारतीय और एक साउथ इंडियन लड़की के बीच की प्रेम कहानी है। फिल्म की शूटिंग केरल में हुई है। केरल के खूबसूरत बैकवॉटर (झीलों और नहरों) बैकग्राउंड, रोमांस, हंसी-मजाक, हलचल और कई सारे ट्विस्ट फिल्म में देखने को मिलेंगे।

मैडॉक फिल्म्स मेकर्स ने वैराइटी को बताया था, यह फिल्म मणिरत्नम सर की 'साथिया' (तमिल ड्रामा-रोमांस फिल्म 'अलाई पयूथे' की हिंदी रीमेक) जैसी फिल्मों की तरह है। दिनेश विजान ने बताया, फिल्म में जाह्नवी कपूर एक दक्षिण भारतीय लड़की और सिद्धार्थ एक दिल्ली के लड़के का किरदार निभा रहे हैं। इन दोनों किरदारों का मिलाप दर्शकों को काफी अच्छा लगेगा। फिल्म की कहानी दक्षिण भारतीय 'सुंदरी' और दिल्ली के 'परम' के रूप में एक खूबसूरत कहानी का वादा करती है।

चुनौतीपूर्ण है 'तुम से तुम तक' में 'मीरा' का किरदार : डॉली चावला

मुंबई/एजेन्सी

टीवी एक्ट्रेस डॉली चावला ने अपने नए धारावाहिक 'तुम से तुम तक' में निभाए जा रहे किरदार 'मीरा' के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि यह किरदार उनके वास्तविक जीवन से बिल्कुल अलग है, जिसके कारण इसे निभाना चुनौतीपूर्ण है। डॉली ने बताया, मैं मीरा का किरदार निभा रही हूं, जो आर्या (शरद केलकर) के ऑफिस, खाने और दवाइयों सहित हर चीज का ध्यान रखती है। उसे यह पसंद नहीं कि कोई और आर्या के करीब आए या उसे महत्व दे। अब जब ऑफिस में अनु (निहारिका चौकसे) आई, तो मीरा को जलन हो रही है। वह अपने बॉस के अलावा किसी की नहीं सुनती।

उन्होंने कहा, लोगों ने मेरे पिछले हर काम को पसंद किया है और मुझे उम्मीद है कि वे मीरा को भी उतना ही प्यार देंगे, भले ही वे उसके नकारात्मक किरदार को नापसंद करें। हर किरदार चुनौतीपूर्ण होना चाहिए, तभी उसे निभाने में मजा आता है। मीरा मेरे असल व्यक्तित्व से बहुत अलग है और यही इसे रोमांचक बनाता है। इस किरदार को अपनाने में समय लगा, लेकिन मैं इसे लेकर उत्साहित हूं। डॉली ने शो को 'हां' कहने की वजह भी बताई। उन्होंने कहा, जब प्रोडक्शन हाउस से कॉल आया, तो मैं बहुत उत्साहित थी। यह प्रोडक्शन हाउस मेरे लिए परिवार जैसा है। जब उन्होंने मुझे 'मीरा' के किरदार के बारे में बताया, तो मैं खुश हो गई। यह शो सात भाषाओं में पहले से मौजूद है, इसलिए प्रदर्शन का दबाव है, लेकिन हिंदी में इसे बनाना शानदार है।

'तुम से तुम तक', 'आर्या' और 'अनु' के बीच उम्र के अंतर वाले प्रेम की कहानी है। डॉली ने कहा, वास्तविक जीवन में भी उम्र के अंतर वाली प्रेम कहानियां होती हैं। प्यार धीरे-धीरे बढ़ता है। 'अनु' और 'आर्या' की कहानी भी ऐसी ही है, जो धीरे-धीरे खुलती है। उम्र सिर्फ एक संख्या है। प्रतीक शर्मा और पार्थ शाह के प्रोडक्शन हाउस स्टूडियो एलएसडी के बैनर तले बने इस धारावाहिक में शरद केलकर और निहारिका चौकसे मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह शो रोजाना जी टीवी पर प्रसारित होता है।

'हाउसफुल 5' में शूट से पहले चित्रांगदा थीं नर्वस, बोलीं- 'माहौल में ढलने के बाद मजा आने लगा'

मुंबई/एजेन्सी

गैसलाइट, इनकार, हजारों ख्वाहिशें ऐसी जैसी फिल्मों काम कर चुकी अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने बताया कि वह कॉमेडी फिल्म 'हाउसफुल-5' में काम करने से पहले बहुत घबराई हुई थीं क्योंकि बाकी सभी एक्टर्स पहले से ही कॉमेडी के अंदाज में ढल चुके थे, और वह उस माहौल में ढलने की कोशिश कर रही थीं। अभिनेत्री ने बताया, मैं सच में शूटिंग शुरू होने से पहले घबराई हुई थी। लेकिन एक बार जब मैं उस माहौल में ढल गई, तो मैंने शूटिंग को खूब इंजॉय किया और बहुत मजा आया। अभिनेत्री ने बताया कि जब उन्हें कॉमेडी का तरीका समझ में आ गया, तो शूटिंग में बहुत मजे किए थे। 'तरुण मनसुखानी' द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अभिनेत्री ने कुछ स्टंट भी किए हैं। चित्रांगदा सिंह ने बताया कि हाउसफुल 5 की शूटिंग के दौरान कोई रिहर्सल नहीं हुई, बस सीधा सेट पर जाकर एक्टिंग शुरू करनी पड़ी। उन्होंने कहा, मैं कभी शूटिंग में लड़ाई के सीन कर रही थीं। मुक्के मार रही थीं, लातें चला रही थीं, और कभी खुद गिर रही थीं। मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं फिर से बच्ची बन गई हूं।

गंभीर, रोमांटिक किरदार करने वाली चित्रांगदा के लिए माया जैसा मस्तीभरा और अजीबोगरीब किरदार निभाना कुछ नया था। लेकिन उन्हें यह अनुभव काफी अच्छा लगा। अभिनेत्री ने आगे कहा, सच कहूं तो ये बहुत मजेदार अनुभव था। अभिनय के दौरान मैंने खुद को आजाद कर दिया था और बस पागलपन को इंजॉय करने लगी थी। इस फिल्म में अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, जैकलीन फर्नांडीज और सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, डिनो मोरिया, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर और आकाशदीप साबिर जैसे सितारे अहम भूमिका में हैं। साजिद नाडियावाला के बैनर नाडियावाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के तहत निर्मित यह फिल्म 6 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

जून में अभिनेत्री ने बताया था कि आगामी फिल्म 'परिक्रमा' को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि इस फिल्म की शूटिंग उनके लिए एक भावनात्मक अनुभव बन गई। चित्रांगदा ने इंस्टाग्राम पर गौतम घोष द्वारा निर्देशित इस फिल्म का एक पोस्टर और पर्दे के पीछे के कुछ पल साझा किए। इस फिल्म में मार्को लियोनार्डी और क्रिस्टीना डोनाडियो भी हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, कुछ फिल्में हमारा मनोरंजन करती हैं और कुछ कहानियां ऐसी होती हैं, जिन्हें सुनाना जरूरी होता है। 'परिक्रमा' ऐसी ही एक फिल्म है, जिसका हिस्सा बनना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। इस फिल्म की शूटिंग मेरे लिए एक भावनात्मक अनुभव बन गई। चित्रांगदा ने निर्देशक गौतम घोष का आभार व्यक्त किया, जो 1997 में इटली में 'विटोरियो डि सिका' पुरस्कार से सम्मानित होने वाले एकमात्र भारतीय हैं। फिलहाल फिल्म की कहानी को गोपनीय रखा गया है।

'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के पहले एपिसोड से ताजा हुईं पुरानी यादें

नई दिल्ली/भाषा

लोकप्रिय धारावाहिक क्योंकि सास भी कभी बहू थी की 25 साल बाद छोटे पर्दे पर वापसी से पुरानी यादें ताजा हो गईं। हालांकि इस बीच एक सवाल भी उठ रहा है कि क्या इस बार भी धारावाहिक पहले जैसा जादू दिखा पाएगा या नहीं। मंगलवार रात को स्टार प्लस और जियो हॉटस्टार पर प्रसारित हुए इस धारावाहिक को एक ऐसे धारावाहिक के तौर पर याद किया जाता है, जिसको परिवार के सभी लोग साथ बैठकर देखा करते थे। पहला एपिसोड मुख्य पात्रों मिहिर और तुलसी की शादी की 38वीं सालगिरह पर केंद्रित है। आदर्श बहू तुलसी इस बार भी शांति निकेतन

स्थित वीरानी परिवार के घर बागडोर संभाल रही हैं और कहानी की शुरुआत तुलसी के पौधे की पूजा और गायत्री मंत्र के जाप से होती है।

इस बार भी माहौल साल 2000 से जैसा ही है, जब एकता कपूर का यह शो पहली बार प्रसारित हुआ था। साल 2008 तक इसके 1,800 एपिसोड और प्रसारित हुए। हालांकि इस बार बा और सविता वीरानी के किरदारों को धारावाहिक में नहीं दिखाया गया है। धारावाहिक की पहली कड़ी में दोनों किरदारों की माला चढ़ी हुई तस्वीरें दीवार पर लगी दिखाई गई हैं और तुलसी बीते दिनों को याद करते हुए उनसे बात करती दिख रही हैं। कई पुराने कलाकार धारावाहिक की पहली कड़ी में नजर आए।

ईरानी के पूर्व निर्वाचन क्षेत्र अमेठी में एक युवती ने कहा, जब मैं बच्ची थी, मेरी मां यह धारावाहिक देखा करती थीं... वह इसे रोज देखा करती थीं। इस बार मैंने भी पहला एपिसोड देखा और मुझे यह बहुत पसंद आया। सोशल मीडिया पर, कई लोगों ने धारावाहिक से जुड़ीं बचपन की यादें साझा कीं। एक प्रशंसक ने लिखा, कोई भी शब्द इस भावना को बयां नहीं कर सकता। यह विशुद्ध उत्साह है। 'क्योंकि...सास भी कभी बहू थी' से जुड़ी यादें ताजा हो गईं। टेलीविजन का वह सुनहरा युग वापस आ गया है। एक प्रशंसक ने लिखा कि वह अपनी नानी के साथ यह शो देखा करती थीं, जो अब जीवित नहीं हैं। उन्होंने कहा, क्योंकि... लौटा आया है। लेकिन जिसके साथ मैं इसे देखती थी, वह अब नहीं है। मैं और नानी साथ में धारावाहिक देखते थे। पिछली बार विवाहित जोड़े की भूमिका निभाने वाले अभिनेता हितेन तेजवानी और गौरी प्रधान ने भी करण और नंदिनी के रूप में वापसी की है। एक दर्शक ने कहा, सदाबहार करण और नंदिनी... आह... वे साथ में बहुत खूबसूरत लगते हैं। करण और तुलसी का रिश्ता बहुत अनमोल हुआ करता था।

सिनेमाघरों में 29 अगस्त को फिर से रिलीज होगी 'परिणीता'

मुंबई/भाषा

विद्या बालन और सैफ अली खान द्वारा अभिनीत फिल्म 'परिणीता' 29 अगस्त को अपनी 20वीं वर्षगांठ पर सिनेमाघरों में फिर से रिलीज होगी। शरत चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा 1914 में लिखे गए प्रतिष्ठित बंगाली उपन्यास पर आधारित इस फिल्म का निर्देशन दिवंगत प्रदीप सरकार ने किया था। पीवीआर आईनॉक्स और विनोद चोपड़ा फिल्म्स ने बुधवार को घोषणा की कि फिल्म पूरे भारत के सिनेमाघरों में प्रदर्शित की जायेगी। इस फिल्म के निर्माता निर्देशक विधु विनोद चोपड़ा ने कहा कि यह फिल्म उनके दिल में एक खास जगह रखती है। चोपड़ा ने कहा, ''यह सिर्फ एक फिल्म नहीं है, यह प्रेम, शान और भावपूर्ण संगीत का सफर है। हर फ्रेम की अपनी

भावनाएं हैं, जो कहानी के साथ इस तरह विकसित होती हैं कि किसी गहरे एहसास को छू जाती हैं।

अब पुन:निर्मित '8के' संस्करण में दृश्य और भी समृद्ध हैं और खूबसूरत जगहें और भी ज्यादा खूबसूरत हैं। मुझे प्रदीप सरकार पर बहुत गर्व है कि उन्होंने जिस तरह से यह फिल्म बनाई और उसमें कालातीत सुंदरता भर दी जो आज भी बरकरार है।'' इस फिल्म से बॉलीवुड में कदम रखने वाली बालन ने कहा कि फिल्म का दोबारा रिलीज होना उनके लिए एक भावुक पल है। बालन के साथ रोमांटिक मुख्य भूमिका निभाने वाले सैफ अली खान ने इस फिल्म को अपने करियर का एक महत्वपूर्ण मोड़ बताया।

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

साउथ इंडिया गारमेन्ट एसोसिएशन (सिगा) का प्रिंसेस श्राइन सभागार में लगा तीन दिवसीय सिगा गारमेन्ट फेयर-2025 गुरुवार को एक अच्छे व्यापारिक आंकड़े के साथ सम्पन्न हुआ।

जैन युवा संगठन के सदस्यों ने आचार्यश्री देवेन्द्रसागर के किए दर्शन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय जैन युवा संगठन के सदस्यों ने आगामी महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव की भावभरी तैयारियों की शुरुआत करते हुए राजाजीनगर स्थित नाकोड़ा पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री देवेंद्रसागरसूरीश्वरजी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। संगठन के अध्यक्ष मुकेश सुराणा ने कहा, महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव हमारे लिए केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने, धर्म को जीवन में उतारने और सेवा भाव से समाज के हर वर्ग तक पहुँचने का माध्यम है। इस मौके पर उपाध्यक्ष रितेश पामेचा, मंत्री सुश्रुत चेलावत, सहमंत्री दीपेश धोका, कोषाध्यक्ष विनय गांधी सहित सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोक भंडारी, ट्रस्ट के मंत्री विनोद नंदावत, पूर्व अध्यक्ष महावीर मुणोत, पूर्व उपाध्यक्ष मुकेश बाबेल, पूर्व सहमंत्री अनुराग ललवाणी आदि सदस्य उपस्थित थे।

तप से विरक्ति के भाव बढते हैं : साध्वीश्री इन्दुप्रभा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में अपने प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि तन पर आसक्ति घटाने से तप के प्रति अनुराग बढ़ता है। तप मुक्ति का मार्ग है। तप से विरक्ति के भाव बढ़ते हैं और संसार के जन्म मरण के दुख सीमित हो जाते हैं। तप से तत्क्षण पवित्रता आती है। आत्मार्थी के लिए तप आसान होता है। हमारी रसना इंद्रिय कभी तृप्त नहीं होती है। मात्र तप से ही हम अनुशासन में आ सकते हैं। साध्वीश्री वृद्धिप्रभाजी ने कहा कि प्रभु की वाणी हमें उलझनों से मुक्त कराती है। संसार में उपलब्ध विकल्प जीवन में तूफान पैदा करते हैं।

जब मन, वचन और काया एक दिशा में चलेंगे तो हम महात्मा बन सकते हैं। चातुर्मास यही संदेश देता है कि हम अपनी इंद्रियों पर अनुशासन रखें। जीवन में परिषह आते हैं वे हमारी श्रद्धा की परीक्षा लेते हैं। परीक्षा सोने जैसी मूल्यवान धातु की होती है। हम धर्म स्थान में आएं, गुरु से जुड़ें और ध्यान रखें कि इंद्रियां हमें भटकाए नहीं, यही साधना है। सभा का संचालन करते हुए संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने बताया कि आचार्यश्री शुभचंद्रजी की 86 वीं जयंती गुणानुवाद और एकासन तप के साथ मनाई जाएगी। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने तपस्वियों का सम्मान किया।

टी. दासहल्ली के पहले 'आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर' का हुआ उद्घाटन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ युवक परिषद टी.दासरहल्ली द्वारा बुधवार को आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर का भव्य उद्धघाटन जैन संस्कार विधि से करवाया गया। अभातेयुप के अध्यक्ष रमेश डागा की अध्यक्षता में उद्धघाटनकर्ता शायरदेवी हीरालाल मालू परिवार, मुख्य अतिथि अभातेयुप के पूर्व अध्यक्ष विमल कटारिया, विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन मांडोत, प्रबुद्ध विचारक दिनेश पोखरना, मुख्य प्रायोजक शांतिलाल पितलिया, स्वर्ण व रजत प्रायोजकों ने डायग्नोस्टिक सेन्टर का शुभारंभ किया। दासरहल्ली परिषद के अध्यक्ष कन्हैयालाल गाँधी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि क्षेत्र के पहले डायग्नोस्टिक सेंटर का शुभारंभ जन-जन के मानस को सहयोग व सेवा देन वाला बनेगा। संयोजक राकेश दक, सहसंयोजक मुकेश चावत ने प्रायोजकों को धन्यवाद दिया। उदघाटनकर्ता हीरालाल मालू ने युवक परिषद के मानव सेवार्थ गतिविधियों की सराहना की। रमेश डागा ने कहा कि टी दासरहल्ली परिषद संख्या से छोटी परिषद हो सकती है परंतु यह परिषद कार्य बड़े बड़े करती है। पवन मांडोत ने कहा कि दासरहल्ली परिषद का सपना पूरा हो रहा है। मुख्य अतिथि एवं प्रायोजक विमल कटारिया ने कहा कि दासरहल्ली परिषद बहुत ही परिश्रमी परिषद है, केंद्र द्वारा निर्धारित हर कार्य करने के लिए तैयार रहती है। डायग्नोस्टिक सेंटर के सहप्रभारी ललित मेहर, शाखा प्रभारी गौतम खाब्या सभा व ट्रस्ट के अध्यक्ष भगवतीलाल मांडोत ने दासरहल्ली परिषद को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में उद्धघाटनकर्ता व सभी प्रायोजकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मंत्री शुभम बाबेल ने किया।

लोकप्रिय बनने के लिए निंदा का त्याग करना जरूरी : साध्वी मयूरयशाश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत।। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ मागड़ी रोड के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी मयूरयशाश्रीजी ने धर्म रत्न प्रकरण ग्रंथ का वाचन करते हुए श्रावक के 21 गुणों के अंतर्गत चौथे 'लोकप्रियता' गुण का वर्णन करते हुए कहा कि लोकप्रिय बनने के लिए निंदा का त्याग करना जरूरी है। कोई भी व्यक्ति अपने अंदर रही हुई ईर्ष्या से दूसरों की निंदा करता है। जो

व्यक्ति अच्छा करने में शंका करे या करने से रोके उससे कभी भी मैत्री नहीं करनी चाहिए। मन किसी की अच्छी बात को स्वीकार करने के लिए जल्दी तैयार नहीं होता है, जबकि बुरी बात बहुत जल्दी स्वीकार कर लेता है। साध्वीश्री ने कहा कि वाणी आग की तरह है, जला भी सकती है तो प्रकाश भी देती है। कड़वी बात किसी के दिल को जलाती है तो अच्छी बात किसी के जीवन में प्रकाश भी फैला सकती है। वाणी के दुरुपयोग से नर्क में भी जा सकते हैं तो वाणी के सदुपयोग से स्वर्ग के द्वार भी खुलते हैं।

निंदा करने वाले से भी ज्यादा निंदा सुनने वाला गुनहगार है, क्योंकि अगर निंदा सुनने वाला नहीं मिला तो निंदा करने वाले को निंदा करने का अवसर ही नहीं मिलेगा।

परमात्मा के प्रति पूर्ण समर्पण भाव से ही आत्मा का कल्याण संभव : साध्वीश्री हर्षपूर्णा

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि जहां संयोग होता है वहीं वियोग होता ही है। जहां राग है वहां द्वेष भी होता ही है। शरीर अनित्य है और आत्मा नित्य है। राग और द्वेष दोनों आत्मा के परिभ्रमण के कारण हैं। हमें इस संसार में साक्षी भाव से रहना है

जिसमें नए कर्मों का बंध नहीं हो। आत्मा कर्ता भी नहीं है और भोक्ता भी नहीं है। हमें मग्नता लाने के लिए प्रयासरत रहना है। हमें इसका संकल्प लेना चाहिए। परमात्मा के चौंतीस अतिशय है उनका हमें ध्यान करना है। अष्ट प्रतिहार्य और पैंतीस वाणी परमात्मा की होती है। हमें उसमें मग्न बनना चाहिए तभी हममें पूर्णता आएगी। साध्वीश्री ने कहा कि एकलव्य ने भी गुरु के प्रति समर्पण भाव रखते हुए द्रोणाचार्य की मूर्ति स्थापित करके धनुर्विद्या सीखी। जब हमें ऐसे गुरु मिलते हैं तो मग्नता आए बिना नहीं रहती है।

धर्म हमें जीवन जीने की कला सिखाता है : मुनिश्री आर्यशेखरविजय

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के चिकपेट स्थित आदिनाथ जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री आर्यशेखरविजयजी ने कहा कि धर्म हमें जीवन जीने की कला सिखाता है। गिरनार तीर्थ हमारा आस्था का केंद्र है। संतश्री ने गिरनार की महिमा व इतिहास बताते हुए कहा कि गिरनार तीर्थ की यात्रा करने से कर्मों का क्षय होता है। धर्म में विनय भाव अवश्य होना चाहिए क्योंकि विनय भाव हमें नभना सिखाता है और दूसरों के सामने नभ जाना ही धर्म होता है।

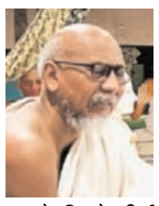

धर्म में सभी एक समान होते हैं। तीर्थ जाकर हमें पुण्य का अर्जन होता है परन्तु साधु साध्वी चलते फिरते तीर्थ होते हैं जो कि स्वयं चल कर हमारे कल्याण के लिए हमारे पास आते हैं। गुरुवार को अट्ठम तप के तपस्वियों की अनुमोदना की गई।

मानव धर्म ही धर्म का सर्वश्रेष्ठ स्वरूप है : आचार्यश्री प्रभाकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी व साध्वीश्री तत्वत्रयाश्रीजी की निश्रा में आचार्यश्री ने अपने प्रवचन में कहा कि मानव धर्म ही धर्म का सर्वश्रेष्ठ स्वरूप है। मानव धर्म यही सिखाता है कि सभी वर्गों को एक होकर अपनी सभी शक्तियों का प्रयोग अहिंसा, विकास और सत्य को उजागर करने में करना चाहिए। इस धरा पर जितने भी महान व्यक्ति हुए, उन्होंने निश्चित रूप से मानव धर्म का पालन किया।

महावीर ने जीवों पर अत्याचार होते देखा, तो उनकी रूह कांप उठी और उन्होंने लोगों को समझाया कि जीव हत्या मत करो, क्योंकि उन्हें भी वैसी ही पीड़ा होती है, जैसी तुम्हें। संतश्री ने समझाते हुए कहा कि कभी कसाई की दुकान पर जाकर जानवर को कटते देखना! यदि आपकी रूह नहीं जागी, तो समझ लेना कि आपके भीतर से मानवता निकल गई है और जब मानवता खत्म हो जाती है, तो वह इंसान भी खत्म हो जाता है। हमारा-आपका अस्तित्व ही नष्ट न हो जाए, इसलिए मानवीय बने रहने में भलाई है। किसी का जीवन छीन लेना जिंदगी नहीं है, बल्कि किसी को जीवन देना जिंदगी है। मानव भव मिला है बेस्ट। समय मत करो वेस्ट। क्षमापना का करो टेस्ट। मिल जाए मुक्ति फिर करो रेस्ट । दुर्लभ मनुष्य भव जो आज हमें सुलभ लग रहा है वह अनंतकाल पश्चात हमें प्राप्त हुआ है। अगर मन और आत्मा में से किसी एक की सुननी पड़े, तो अपनी अंतर आत्मा की सुनिए, क्योंकि मन अक्सर भटकाव की ओर ले जाता है। ट्रस्ट के नरेश बंबोरी ने बताया कि 10 अगस्त को आचार्यश्री की निश्रा में होने वाले पार्श्वनाथ पद्मावती महापूजन के लिए ट्रस्ट प्रतिनिधि मंडल ने कर्नाटक के राज्यपाल थावरचन्द गहलोत से मुलाकात कर उन्हें कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया है । सभा में मुनिश्री महापद्मविजयजी, पद्मविजयजी, साध्वी तत्वत्रयाश्रीजी, गोयमरत्नाश्रीजी व परमप्रज्ञाश्रीजी उपस्थित थे।

धर्मकथा श्रवण से आत्मा का बोध होता है : साध्वीश्री दिव्ययशा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जयनगर संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तिनी कंचनकंवरजी के सान्निध्य में साध्वी अणिमाश्रीजी ने कहा कि हर जन्म में इन्सान अपने शरीर के लिए, परिवार के लिए श्रम करता है, पापकर्म का भी उपार्जन करता है, किंतु ज्ञानी महापुरुष कहते हैं कि हमें अब आत्मा के लिए कार्य करना है ताकि कार्य की सार्थकता हो। जिनवाणी सुनना जरूरी है। जिनवाणी सुनकर जीवन में सरलता नहीं आए, जिनवाणी सुनकर जीवन में क्षमा नहीं आए तो जिनवाणी सुनना व्यर्थ है। कषायों से ऊपर उठना ही जिनवाणी का सार है। साध्वी दिव्ययशाजी ने कहा कि भगवान महावीर ने उत्तराध्ययन सूत्र में बताया है कि जिनवाणी का श्रवण करना कान का आभूषण है। जिनवाणी श्रवण से घर-परिवार का बैलेंस बना रहता है। आज श्रद्धालुओं में जिनवाणी श्रवण की क्षमता बची है जिसे विकसित करना चाहिए।

धर्मकथा आत्मा का बोध होता है इसलिए प्रतिदिन जिनवचन अवश्य सुने। प्रचार मन्त्री सागर बाफना ने बताया कि साध्वीदर्शन के लिए बड़ी संख्या में बेंगलूरु व दूसरे शहरों से श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे। संघ के अध्यक्ष दीपचन्द भंसाली ने स्वागत किया।

जीवन का सच्चा सुख भोग में नहीं, त्याग में है : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के मागड़ी रोड स्थित ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र भवन में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तकश्री नरेश मुनि जी ने छह प्रकार की लेश्याओं की विवेचना करते हुए कहा कि हमें निर्लेशी अलेशी बनने का भाव रखना चाहिए और हमेशा अपने

भावों, विचारों, अध्यवसायों को शुद्ध पवित्र बनाए रखने की दिशा में सतत जागरूक रहते हुए सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए क्योंकि भावों की सरलता, पवित्रता ही अशुभ लेश्या को शुभ लेश्या में परिवर्तित कर सकती है। संसार के भोग जीव को अनंत काल तक चार गतियों में भटकाने वाले और रुलाने वाले हैं। महापुरुषों ने संसार की असारता का चिंतन करते हुए भोगों पर विजय प्राप्त की और अपनी आत्मसाधना के बल पर संयम मार्ग में प्रवेश किया और परम पद मुक्ति को प्राप्त किया। संतश्री ने कहा कि जीवन का सच्चा सुख भोग में नहीं, त्याग में है।ङ्गङ्गसंतश्री शालिभद्र मुनि जी ने अपने संबोधन की शुरुआत एक प्रेरक दृष्टांत से करते हुए कहा कि आकर्षित होना अलग बात है और उससे प्रभावित होना यह एक अलग बात है। संसार की वस्तुओं में क्षणिक आकर्षण और सुख है। एक आत्मा का सच्चा सुख आनंद वीतराग धर्म की आराधना में समाया हुआ है। निर्माण और विध्वंस यह प्रकृति का सनातन गुण नियम है। मृत्यु जीवन का सबसे बड़ा सत्य है। जो साधक समय रहते इस सच्चाई को स्वीकार कर लेते हैं वह फिर इस नश्वर नाशवान संसार में नहीं फंसते हुए संयम की शरण ग्रहण कर अपनी आत्मा को मुक्ति मंजिल की ओर सही दिशा में सतत कदम बढ़ा देते हैं। उपप्रवर्तकश्री नरेशमुनिजी के जन्मोत्सव पर सामूहिक भिक्षु दया का कार्यक्रम आयोजित होगा जिसमें 1008 भिक्षु दया का लक्ष्य रखा गया है।अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा व महामंत्री महावीर चंद मेहता में बताया कि चातुर्मास समिति के तत्वावधान में हो रहे इस भिक्षु दया के आयोजन को सफल बनाने में सभी सदस्य जुटे हुए हैं ।

अच्छे व्यापार बुकिंग के साथ सम्पन्न हुआ तीन दिवसीय 'सिगा गारमेन्ट फेयर'

फेयर में सौ करोड़ रुपए से अधिक की हुई माल बुकिंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। साउथ इंडिया गारमेन्ट एसोसिएशन (सिगा) का प्रिंसेस श्राइन सभागार में लगा तीन दिवसीय सिगा गारमेन्ट फेयर-2025 गुरुवार को एक अच्छे व्यापारिक आंकड़े के साथ सम्पन्न हुआ। सिगा के अध्यक्ष अनुराग सिंघला ने बताया कि इस ट्रेड शो में देश भर के विभिन्न नामी-गिरामी ब्रांडों ने पुरुष, महिलाओं व बच्चों के वर्ग के वैवाहिक, केजुअल, डिजाइनर, फार्मल, वेस्टर्न, विन्टरवियर, नवजात बच्चों के कपड़ों का नया कलेक्शन लेकर 70 से अधिक स्टाल लगाए गए जिन्होंने आगामी माह के उत्सव सीजन के मद्देनजर करीब 100 करोड़ से अधिक के माल की बुकिंग की।

फेयर के रेस्पांस से खुश होकर सभी ब्रांड अगले वर्ष फिर मिलने के वादे के साथ विदा हुए। इस मौके पर सिंघला ने सभी सिगा पदाधिकारियों व विभिन्न कमेटियों के सदस्यों को धन्यवाद दिया जिन्होंने इस आयोजन में अपना श्रमदान किया। ङ्गसमापन के मौके पर सिगा के उपाध्यक्ष नरेश लखनपाल व किशोर जैन, मंत्री राजेश चावत, सहमंत्री व फेयर चेयरमैन गोविंद मूंदड़ा, कोषाध्यक्ष तेजस मेहता सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी सिगा में गत 4 वर्षों से अध्यक्ष पद पर लगातार सेवा देते आ रहे अनुराग सिंघला के कार्यों की सराहना करते हुए स्मृति चिन्ह भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। सिगा के मंत्री राजेश चावत ने बताया कि बुधवार को आयोजित इंटरेक्टिव नेटवर्किंग मीट बहुत अच्छी रही और सैंकड़ों व्यापारियों ने परस्पर परिचय बढ़ाया। फेयर के चेयरमैन गोविंद मूंदड़ा सभी स्टॉल धारकों को धन्यवाद दिया।

सेवा कार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरीनगर के सदस्यों ने पट्टनगेरे स्थित सरकारी लोअर प्राइमरी स्कूल में हनुमालमल, संजय, मनोज बैद परिवार के सौजन्य से विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री व अभ्यास पुस्तिकाएं वितरित की। तेयुप के अध्यक्ष विक्रम महेर, मंत्री संदीप बैद, सेवा कार्य प्रभारी हितेश बोथरा और पूर्व अध्यक्ष सुशील भंसाली ने इस सेवा कार्य में सहयोग दिया।

जीतो स्वयंम जेबीएन वी-कनेक्ट महिला व्यवसाय रेफरल समूह की बैठक सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । जीतो स्वयंम जेबीएन वी कनेक्ट महिला व्यवसाय रेफ़रल समूह की चौथी बैठक राजाजीनगर स्थित जीतो कार्यालय में अतिथि के रूप में लेडीज विंग की मंत्री रक्षा छाजेड़, सहमंत्री सुमन रांका और जेबीएन संयोजिका तनुजा मेहता की उपस्थिति में हुआ। इस मौके पर जेबीएन यूनिकॉर्न से रेफरल हेड अजित नाहटा, रेफरल लीड कमल जैन एवं रेफरल मंत्री आयुषी कोठारी भी मंचासीन थे।

बैठक की मुख्य वक्ता एंपावरमेंट हेवन की संस्थापिका संगीता मेहता ने बैलून बाउंस, वाईफाई सिग्नल चेक जैसे सरल लेकिन प्रभावशाली अभ्यासों के माध्यम से आंतरिक शक्ति, भावनात्मक ऊर्जा एवं मानसिक स्पष्टता को पुनर्जीवित करने की कला को समझाया। ब्रेड बटर स्टूडियो की संस्थापिका रेखा जैन ने आठ मिनट का प्रभावशाली बिज़नेस प्रेजेंटेशन दिया। बैठक में रेफरल हेड मीना जैन, रेफरल लीड लीला पितलिया और रेफरल सचिव सीए सुखदेवी जैन ने संयोजन किया। विभिन्न विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

पुण्य की बदौलत सत्ता, संपत्ति और सफलताएं मिलती हैं : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। स्थानीय राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में गुरुवार को जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि पुण्य की बदौलत सत्ता, संपत्ति और सफलताएं मिलती हैं, लेकिन पात्रता के बिना वे टिकती नहीं हैं। पात्रता के अभाव में पुण्य से मिली हुई शक्तियां भी परपीड़ा या शोषण में लग जाती हैं। वो पुण्य किसी को सुख देने के बजाय दु:ख देने में खर्च हो जाता है। योग्यता के बगैर प्राप्त पुण्य अमृत नहीं, जहर का काम करता है। तानाशाह हिटलर, मुसोलिनी, स्तालिन, लीबिया का गदाफी आदि इस बात के अनेक उदाहरण हैं।

आचार्यश्री ने कहा कि गलत कार्य कर अगर हम बच भी जाते हैं तो पुण्य के इस खेल पर बहुत इतराने जैसा नहीं है, क्योंकि पुण्य की समृद्धि देर-सबेर खाली होनी है। किए हुए गलत कार्य की सजा आने वाले किसी जन्म में मिलेगी, इस गफलत में रहने जैसा नहीं है, पापकार्यों का भुगतान इसी जन्म में ब्याज समेत करना पड़ सकता है। पुण्य कभी भी धोखा दे सकता है। पुण्य का खेल कभी भी पूरा हो सकता है। पुण्य पर इतराने वाले स्वयं को ठगा महसूस कर सकते हैं। जीवन पुण्य के बलबूते पर नहीं, पात्रता के आधार पर जीया जाना चाहिए। हर एक व्यक्ति को अपनी पात्रता बनानी चाहिए।

योग्यता से अधिक कभी कुछ नहीं मिलता। आचार्यश्री ने आगे कहा कि पात्रता के लिए अथक पुरुषार्थ किया जाना चाहिए।

वही हितावह और कल्याणकारी है। पात्रता कभी रोने के दिन नहीं लाती। कर्मवाद की व्यवस्था में देर हो सकती है, अंधेर नहीं होती। संघ के निर्मल पारेख ने बताया कि कषाय जय तप की आराधना में पचास से अधिक कॉलेज के विद्यार्थी थे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,

(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.

HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com